राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 175 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, गुरूवार , 06 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

योगी का नोएडा में प्रस्तावित कार्यक्रम रद्द, 2000 छात्रों को देने वाले थे टैबलेट और स्मार्टफोन

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गौतमबुद्ध नगर जिले में बृहस्पतिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम अज्ञात कारणों के चलते निरस्त हो गया है। जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने कार्यक्रम स्थगित होने की आधिकारिक जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मेरठ मंडल के करीब 2000 छात्रों को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण करने वाले थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नोएडा प्राधिकरण की करीब 400 करोड़ रुपए की परियोजनाओं तथा ग्रेटर नोएडा के लिए करीब 600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ व लोकार्पण करने वाले थे।

चन्नी ने 'सुरक्षा चूक' के आरोपों का किया खंडन, पीएम मोदी की 'आखिरी समय में योजना में बदलाव' को ठहराया दोषी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में सेंध लगी है। उनका बयान तब आया है जब एमएचए ने पीएम मोदी की पंजाब रैली रद्द होने के बाद राज्य को जिम्मेदारी तय करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि बठिंडा से फिरोजपुर तक सड़क मार्ग से यात्रा करना पीएम का अंतिम समय का फैसला था। चन्नी ने कहा, 'शुरुआत में उन्हें हवाई यात्रा करनी थी, लेकिन यात्रा की योजना आखिरी समय पर बदल दी गई।' चन्नी ने कहा कि भाजपा राजनीतिक कारणों से पंजाब सरकार पर आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि बठिंडा से हवाई मार्ग से जानी का कार्यक्रम था मगर आखिरी समय पर सड़क मार्ग से जाने का फैसला किया गया।

पुलवामा में एक और मुठभेड़, जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकी ढेर

जम्मू (एजेंसी)। पुलवामा के चाँदगाम में सुरक्षाबलों ने आज तड़के हुई एक मुठभेड़ में 3 आतंकियों को ढेर कर दिया। कश्मीर रेंज के आईजीपी विजय कुमार के अनुसार मारे गए तीनों आतंकी जैश ए मोहम्मद के थे। उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से 2 अमेरिकी एम 4 स्नाइपर राइफल भी बरामद हुई हैं। यह साल के पहले 5 दिनों में पांचवीं मुठभेड़ थी। पांच दिनों में 8 आतंकी मारे जा चुके है जबकि पिछले 24 घंटों में 5 आतंकी मारे गए।

पुलिस कमिश्नरेट भवन का शिलान्यास व राजकीय भवनों का लोकार्पण

सरकार ने तय की पुलिस भर्ती में 20 फीसदी महिला की भर्ती

❑ दीक्षान्त परेड का निरीक्षण किया, रिक्रूट आरक्षियों को संवैधानिक शपथ दिलायी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ भवन का शिलान्यास व राजकीय भवनों का लोकार्पण किया। इस अवसर उन्होंने दीक्षान्त परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों को संवैधानिक शपथ भी दिलायी। मुख्यमंत्री ने रिक्रूट आरक्षियों निधि सिंह चौहान, काजल यादव, संतोषी कुशवाहा, ज्योति राठौर, मोनिका और प्राची चौहान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आज एक साथ प्रदेश के 15,428 रिक्रूट आरक्षियों का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हो रहा है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की 519 महिला रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षान्त परेड का साक्षी बनने का अवसर उन्हें प्राप्त हो रहा है। शानदार परेड के लिए मुख्यमंत्री जी ने रिक्रूट महिला आरक्षियों को बधाई दी। प्रदेश की बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपने शानदार कैरियर को आगे बढ़ाकर प्रदेश के विकास में अपना योगदान देंगी। इसकी एक लघु झलक रिक्रूट महिला आरक्षियों की दीक्षान्त परेड में देखने को मिली है। वर्ष 2017 के पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर देश व दुनिया में प्रश्न किये जाते थे। मार्च, 2017 में वर्तमान सरकार ने तय किया कि प्रदेश में होने वाली पुलिस भर्ती में 20 फीसदी महिला की भर्ती की जाएगी। पिछले साढ़े चार वर्षों में हुई भर्तियां पूरी पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई हैं। 01 लाख 28 हजार रिक्रूट ऐसे हैं, जिनकी ट्रेनिंग की पूरी कार्यवाही सम्पन्न हुई है। कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के मोर्चे पर जो प्रदेश पांच वर्ष

पहले प्रश्न प्रदेश बना हुआ था आज वह देश में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश बना हुआ है। प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने एक टीम भावना के माध्यम से कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में बहुत से पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं। उन्होंने सभी शहीद पुलिस कर्मियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अपर्ति की।

बहुत हो चुका-अब तो पेट्रोल-डीजल के दाम कम करो- राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत घटने का लाभ देश की आम जनता को देना चाहिए और उत्पाद शुल्क को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रहे स्तर पर लाकर पेट्रोल एवं डीजल के दाम में अच्छी-खासी कमी करनी चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कच्चे तेल के दाम घटने से संबंधित खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''बहुत हो चुका- अब तो पेट्रोल-डीजल के दाम कम करो! कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने संवाददाताओं से कहा, ''यदि उत्पाद शुल्क को संप्रग सरकार के कार्यकाल के समय रहे स्तर पर लाया जाए तो डीजल के दाम में 25.24 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल के दाम में 26.42 रुपये प्रति लीटर की कमी हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर ताबड़तोड़ कर लगाकर मुनाफाखोरी किए जाने से देश भर में सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमत आसमान छू रही है। एक तरफजनता महंगाई की मार से त्राहि-त्राहि कर रही है, तो दूसरी ओर बेराजेगारी दर दिसंबर, 2021 में 7.9 प्रतिशत और शहरी बेरोजगारी दर 9.3 प्रतिशत के उच्च स्तर पर जा पहुंची है।

2022 में होने वाला चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि सन् 2022 में होने वाला चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। भाजपा साजिशों की राजनीति करती है और चुनाव की निष्पक्षता को नष्ट करने पर उतारू हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र आदि प्रदेशों के भाजपा एवं आर.एस.एस. के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता चुनावों को प्रभावित करने के लिए उत्तर प्रदेश में आ चुके हैं। संविधान और स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों पर भाजपा बराबर हमलावर रही है।

यही भाजपा का मूल एजेण्डा भी है। भाजपा नेतृत्व का मात्र संगठन आरएसएस न तो स्वतंत्रता संग्राम में शामिल रहे और नहीं उनकी प्रतिबद्धता संविधान और उसमें उल्लिखित समाजवाद, पंथनिरपेक्षता पर हैं। लोकतंत्र के विरूद्ध उसका आचरण जगजाहिर है जबकि समाजवादी लोकतंत्र और सबके हक तथा सम्मान के लिए संघर्षरत रहे हैं। भाजपा ने समाज के दलितों, पिछड़ों के हक छीनकर उन्हें प्रताड़ित करने का काम किया है। भाजपा-समाजवादी पार्टी की नीति और नीयत में यही फर्क जगजाहिर है। भ्रष्टाचार, लूट और षडयंत्र भाजपा की रणनीति और कार्यनीति के प्रमुख अंग है। जनता की गाढ़ी कमाई को अपने झूठे विज्ञापनों पर फूंकने में भाजपा का आचरण मर्यादाहीन है। समाजवादी सरकार ने विकासकार्यों पर धन खर्च किया था। समाजवादी पार्टी ने एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, के अलावा मेधावी छात्र छात्राओं को लैपटॉप बांटे, गरीब महिलाओं को पेंशन दिया और छात्राओं को कन्या विद्याधन बांटा। जबकि भाजपा अपने पूरे कार्यकाल में एक भी अपनी योजना नहीं ला सकी। न लैपटाप दिया और नहीं गरीबों को आवास दिए। भाजपा-सपा के कामों में यही अंतर है। जहां तक कानून व्यवस्था की स्थिति है भाजपा राज में सत्ता के संरक्षण में अपराधियों का बोलबाला है। असामाजिक तत्व व अपराधी पुलिस के सायें में खेल-खेलते दिखाई देता है। भाजपा सरकार ने अब तक टापटेन अपराधियों की सूची भी नहीं जारी की हैं। भाजपा राज में किसानों पर जीप चढ़ाकर कुचल देने वाला मंत्री अभी तक नहीं हटाया गया है। भाजपा के अंधेरराज का यही परिचय है। बेरोजगार नौजवान सरकारी विभागों में खाली पदों पर भर्ती की मांग को लेकर लगातार आंदोलित है। वे ताली-थाली बजाकर भाजपा के विदाई गीत गा रहे हैं। समाजवादी सरकार में ही पुलिस पीएसी में भर्तियां हुई थी। शिक्षकों को सम्मान मिला। भाजपा राज में उन्हें लाठियां मिल रही हैं।

भाजपा- समाजवादी पार्टी में यही फर्क दिखाई देता है। जिस डायल 100 को समाजवादी सरकार ने जनता की सेवा, सुरक्षा और बेहतर कानून व्यवस्था के लिए बनाया था उसका नाम भाजपा सरकार ने 112 कर दिया फिर उससे सवारी ढोने का काम लिया जाने लगा है। भाजपा नाम और रंग बदलने की माहिर हैं। समाजवादियों का काम बोलता है।

बिजली करंट से हाथियों के मौत के मामले पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य को जारी किया नोटिस

(एजेंसी)

नई दिल्ली। देश भर में बिजली करंट से हाथियों की होने वाली मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि देश भर में बिजली करंट से हाथियों की मौत हो रही है और उसे रोकने के लिए कारगर कदम उठाने का निर्देश दिया जाए। याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार घ्व अन्य को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुवाई वाली बेंच के सामने दाखिल अर्जी मे कहा गया है कि यह देश की सच्चाई है कि देश भर में हाथी की मौत बिजली करंट से हो रही है। और यह खतरनाक स्थर पर पहुंच चुका है। हाथियों की अप्राकृतिक तरीके से करंट लगने से होने वाली

मौत का आंकड़ा पेश करते हुए कहा गया है कि हाई वोल्टेज पावर ट्रांसमिशन लाइन को कवर किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को प्रतिवादी बनाते हुए कहा कि पर्यावरण और वन मंत्रालय की एक एक्सपर्ट बॉडी कह चुकी है कि हाथी की मौत भयानक स्तर पर पहुंच चुका है। एलिफेंट टास्क फोर्स की गजाह नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली करंट से हाथियों की मौतें हो रही है। यह भारत में आम समस्या बन चकी है। याचिका में सरकार का डाटा पेश किया गया है। मंत्रालय ने संसद में कहा था कि 2014-15 से लेकर 2018-19 के बीच हाथियों की जो मौतें हुई है उसमें दो तिहाई मौतें अप्राकृतिक हुई है। डाटा में कहा गया है कि 510 हाथियों की मौत हुई और उसमें 333 मौतें बिजली करंट से हुई है। याचिकाकार्ता के वकील अखिलश प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी में गुहार लगाई गई है कि गजाह रिपोर्ट में जो सिफारिश की गई थी उसका संबंधित मंत्रालय पालन करे और उसे लागू कराए। नैशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ की स्टैंडिंग कमिटी ने रिपोर्ट को 2019 में ही स्वीकार कर लिया था ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारें उस पर अमल करें। याचिका में कहा गया है कि जो भी हाथियों के लिए संरक्षित क्षेत्र है या एलिफेंट रिजर्व एरिया है या फिर वाइल्ड लाइफ सेंक्चूरी है या नैशनल पार्क एरिया है या फिर एलिफेंट कोरिडोर है वहां हाई वोल्टेज पावर ट्रांसमिशन तार में केंद्र और राज्य सरकारें इंसोलेशन कराएं। और रिजर्व और संरक्षित इलाके में नई पावर ट्रांसमिशन लाइन लगाया जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रतिवादियों (केंद्र और राज्य सरकारों) के लापरवाही वाले रवैये के कारण दिन ब दिन हाथियों की मौत हो रही है। सरकार के अपने एक्सपर्ट बॉडी ने जो सिफरिश की है और गाइडलाइंस जारी किया है उसे भी वह लागू नहीं कर रही है। मौते बढ़ रही है और देखा जाए तो जंगली जानवरों को राज्य व केंद्र सरकार प्रोटेक्ट नहीं कर पा रही है।

किसानों ने रोके रास्ते, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिरोजपुर दौरा रद्द

एजेंसी

चंडीगढ़ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को फिरोजपुर का अपना दौरा रद्द कर दिया है। वह आज वहां कई परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले थे। प्रधानमंत्री बाद में एक रैली को संबोधित करने वाले थे, लेकिन किसानों द्वारा सड़क जाम कर दिए जाने के कारण वह वापस लौट गए। किसान इस दौरे का विरोध कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मोदी, जो बठिंडा के भैसियाना एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे थे, अब वहां वापस जा रहे हैं और जल्द ही दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिरोजपुर में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए बुधवार को पंजाब पहुंचे। मोदी विमान से बठिंडा में उतरे और इसके बाद भारत एवं पाकिस्तान की सीमा के पास स्थित जिले की ओर रवाना हुए। पंजाब के लिए रवाना होने से कुछ घंटों पहले प्रधानमंत्री ने बुधवार को ट्वीट किया कि वह 'आज पंजाब में अपने भाइयों और बहनों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। मोदी ने ट्वीट

किया, ''फिरोजपुर में आयोजित कार्यक्रम में 42,750 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।श्श् बठिंडा और फिरोजपुर समेत पंजाब के कई हिस्सों में बुधवार को मौसम खराब रहा। बठिंडा-फिरोजपुर मार्ग पर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। मोदी दो साल के अंतराल के बाद पंजाब आये थे और विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने के बाद यह राज्य का उनका पहला दौरा था। इन कानूनों को लेकर किसानों ने लगभग एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किए थे। प्रधानमंत्री को फिरोजपुर में एक पीजीआईएमईआर सैटेलाइट केंद्र और दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे समेत 42,750 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करना था। इन परियोजनाओं में अमृतसर-ऊना खंड को चार लेन में परिवर्तित करने, मुकेरियां-तलवाड़ा रेल लाइन का आमान परिवर्तन, और कपूरथला एवं होशियारपुर में दो नये चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना संबंधी परियोजनाएं भी शामिल थे।

पीएम मोदी का काफिला फंसा लेकिन सीएम चन्नी ने फोन तक नहीं उठाया: नड्डा

(एजेंसी) नयी दिल्ली। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक और विरोध-प्रदर्शनों के कारण उनके फिरोजपुर नहीं पहुंच पाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को राज्य की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में हार के डर से उसने प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को विफल करने के लिए हरसंभव कोशिश की। ज्ञात हो कि विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री पंजाब में 15 से 20 मिनट तक एक फ्लाइओवर पर फंसे रहे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर खामी माना है और राज्य सरकार से इस मामले में रिपोर्ट तलब किया है। बाद में फिरोजपुर में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। प्रधानमंत्री को फिरोजपुर में चंडीगढ़ स्थित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) के 'उपग्रह केंद्र और दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे सहित 42,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने का कार्यक्रम था।

बाद में एक रैली को संबोधित करने का भी उनका कार्यक्रम था। नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री पंजाब में जिस कार्यक्रम में हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने वाले थे, उसमें व्यवधान डाला गया। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम इस छोटी मानसिकता के चलते पंजाब के विकास को अवरुद्ध नहीं होने देंगे। पंजाब के विकास का हमारा प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा, ''मतदाताओं के हाथों पराजय के भय से पंजाब की कांग्रेस सरकार ने राज्य में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को विफल करने के लिए हरसंभव हथकंडे अपनाए। ऐसा करने के दौरान उन्होंने यह भी नहीं सोचा कि प्रधानमंत्री, भगत सिंह और अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले थे और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले थे। ऐसी गंदी राजनीति कर पंजाब की कांग्रेस सरकार ने दिखा दिया है कि वह विकास विरोधी है और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उसके मन में कोई सम्मान नहीं है। नड्डा ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस दौरान प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक हुई। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को प्रधानमंत्री के रास्ते में आने दिया गया जबकि राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने एसपीजी को आश्वासन दिया था कि रास्ता साफ है। उन्होंने कहा, ''मामला तब और गंभीर हो जाता है जब मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी फोन पर बात करने या मामले का समाधान करने को भी तैयार नहीं हुए। पंजाब की सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक सिद्धांतों में विश्वास करने वाले सभी लोगों को टीस देने वाला है।

बिपिन रावत हेलीकॉप्टर हादसा

जांच दल ने रक्षा मंत्री राजनाथ से साझा किये निष्कर्ष

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने आठ दिसंबर को हुए हेलीकॉप्टर हादसे की, तीनों सेनाओं द्वारा की गई जांच के निष्कर्षों से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बुधवार को अवगत कराया। इस घटनाक्रम से अवगत अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हेलीकॉप्टर हादसे में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और 13 अन्य की मौत हो गई थी। इस घटनाक्रम से अवगत अधिकारियों ने बताया कि जांच दल ने रूस में बने एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के संबंध में अपनी जांच पूरी कर ली है। इससे पहले

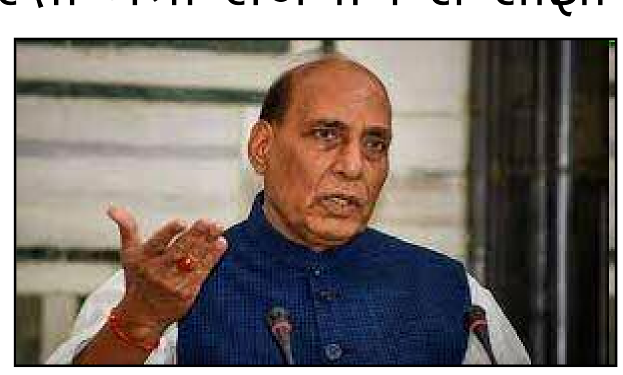

सूत्रों ने बताया था कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर में किसी तकनीकी खामी के कारण यह हादसा नहीं हुआ था, लेकिन इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने इस हादसे की 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरीश् का नेतृत्व किया है। तमिलनाडु में कुन्नूर के पास हुई इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले 14 लोगों में जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका, उनके रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर एल एस लिद्दर, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह और ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह शामिल थे। ऐसा बताया जा रहा है कि पुलिस दल ने मानवीय त्रुटि या हेलीकॉप्टर के उतरने की तैयारी करते समय चालक दल के सदस्य के ध्यान भटकने की संभावना समेत दुर्घटना के सभी संभावित पहलुओं की समीक्षा की है। एयर मार्शल सिंह को हवाई दुर्घटना के मामलों की जांच करने वाले देश के सर्वश्रेष्ठ जांचकर्ताओं में से एक जाना जाता है। वह वर्तमान में भारतीय वायुसेना के प्रशिक्षण कमान का नेतृत्व कर रहे है, जिसका मुख्यालय बेंगलुरू में हैं।

पूर्वी कोलंबिया में हिंसा में कम से कम 24 लोगों की मौत

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्वी राज्य अरौका में विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण इस सप्ताहांत हुई हिंसा में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और 20 लोगों को अपने घर छोड़कर जाने को मजबूर होना पड़ा। कोलंबिया सरकार 'रेवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस

ऑफ कोलंबिया' (एफएआरसी) के साथ 2016 में हुए शांति समझौते के बाद हत्या की घटनाओं की दर कम करने में सफल रही थी, लेकिन हाल में बढ़ी हिंसात्मक घटनाओं से उसे झटका लगा है। सरकार देश के ग्रामीण इलाकों में हिंसा को काबू करने के लिए संघर्ष कर रही है, जहां छोटे विद्रोही समूह और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले संगठन तस्करी के मार्गों, अवैध खनन और अन्य मामलों को लेकर आपस में लड़ रहे हैं। अरौका में कोलंबिया के कुछ सबसे बड़े तेल के कुएं हैं और इससे एक पाइपलाइन भी गुजरती है, जिस पर विद्रोही समूह नियमित रूप से हमला करते रहते हैं और इससे तेल चोरी करते हैं। कोलंबिया की सेना ने एक बयान में बताया कि अरौका में गुरिल्ला समूह नेशनल लिबरेशन आर्मी और शांति समझौते में शामिल होने से इनकार करने वाले एफएआरसी के पूर्व सदस्यों के बीच हिंसा हुई। सेना ने कहा कि दोनों समूह इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी पर अपने आधिपत्य को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

पाक की इस्लामाबाद यूनिवर्सिटी में दो गुटों के बीच झड़प, कई छात्र घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस्लामाबाद की इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी में दो गुटों के बीच हुई झड़प में बड़ी संख्या में छात्र बुरी तरह जख्मी हो गए। यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शन के दौरान ये झड़प हुई। चश्मदीदों के मुताबिक कुछ लोगों ने एकाएक चिल्लाकर

माहौल को भड़का दिया और अचानक से प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठी और डंडों से हमला कर दिया। घटना के एक वीडियो सामने आया जिसमें देखा जा सकता है कि वहां मची भगदड़ के दौरान छात्र एक दूसरे को घूंसे, लात मारे जा रहे हैं । इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने नारे भी लगाए। यूनिवर्सिटी के रेक्टर के मुताबिक ये कथित लड़ाई पिछले हफ्ते कायदे आजम यूनिवर्सिटी में हुई एक और हाथापाई के सिलसिले में शुरू हुई थी। रेक्टर ने आगे कहा कि, 'पुलिस वक्त रहते मौके पर पहुंची और हालात को शांत किया। अब यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ये सुनिश्चित करेगा कि लड़ाई शुरू करने वाले छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। विश्वविद्यालय किसी भी कीमत पर छात्र स्तर पर राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगा।

विमान के टॉयलेट बिन में मिला शिशु : कागज में लपेटकर फेंका था, मेडागास्कर की युवती गिरफ्तार

मॉरीशस। मॉरीशस के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान के शौचालय के कूड़ादान में नवजात शिशु मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के नियमित परीक्षण के दौरान अधिकारियों को विमान के वॉश रूम में बच्चे के रोने की आवाज आई। उन्होंने वहां जाकर देखा तो कूड़ादान में टॉयलेट पेपर में लिपटा खून से सना बच्चा मिला। बच्चे को तुरंत निकालकर अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। घटना एक जनवरी की बताई गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मेडागास्कर की 20 साल की एक युवती ने इस बच्चे को एयर मॉरीशस के विमान में जन्म दिया था। युवती को सर शिवसागर रामगुलाम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिशु की हालत ठीक है। बीबीसी के अनुसार एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि टॉयलेट बिन में शिशु के मिलने का पता तब चला जब एयरपोर्ट अधिकारियों ने नियमित कस्टम्स चेकिंग के लिए विमान का निरीक्षण किया।

ड्रैगन का कर्ज जालःचीन के लोन से श्रीलंका का खजाना खाली; लिथुआनिया ने चेताया- सावधान हो जाएं यूरोपीय देश

कोलंबोः चीन के कर्ज जाल में फंसे देशों की फेहरिस्त में भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका और यूरोपीय देश लिथुआनिया भी शामिल हो गया है। श्रीलंका पर चीन का लगभग 37 हजार करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ गया है। ये रकम श्रीलंका को इसी साल चुकानी है, जबकि वर्तमान में उसके पास लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का ही विदेशी मुद्रा भंडार बचा है। श्रीलंका पर कुल मिलाकर 54 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। देश पर कुल कर्ज का लगभग 68त्न हिस्सा चीन का है। उधर यूरोपीय देश लिथुआनिया के विदेश मंत्री ग्रब्रियेल्स लैंडबर्गिस ने सोमवार को चेताया कि चीन सोची-समझी रणनीति के तहत आर्थिक हमले कर रहा है। लिथुआनिया पर ताइवान को समर्थन देने के नाम पर किए जा रहे इस प्रकार के हमले पूरे यूरोप के लिए बड़ी चेतावनी भी हैं।

देशों को निर्भर बनाकर मनमानी करता है चीन

लैंडबर्गिस ने कहा कि चीन अपने बाजार को खोलकर पहले देशों को उस पर निर्भर बनाता है, फिर अपने राजनीतिक एजेंडा थोपकर सप्लाई लाइन रोक देता है। चीन ने लिथुआनिया की 60 कंपनियों को पंगु बना दिया है। साथ ही लिथुआनिया की कंपनियों के प्रोडक्ट्स फ्रीज भी कर दिए हैं। चीन की तरफ से लिथुआनिया की

सप्लाई लाइन बाधित करने से उसका एक तिहाई के करीब निर्यात भी प्रभावित हो रहा है।

श्रीलंकाः महंगाई दर 22फीसदी, सेना की निगरानी में बंट रहा राशन

श्रीलंका में खाद्य महंगाई दर 22फीसदी हो गई है। आर्थिक आपातकाल की घोषणा के बीच सेना की निगरानी में राशन बंट रहा है। लोगों के पास खाने की चीजें खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। एक दुकानदार अनिरुद्धा का कहना है कि दुकानदार एक किलो के दूध पाउडर को 200-200 ग्राम के पैकेट में बांटकर बेच रहे हैं, क्योंकि लोग एक किलो का पैकेट खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार कोरोना काल में ही सवा 2 करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका में लगभग 5 लाख लोग गरीबी की रेखा से नीचे चले गए, 2 लाख की नौकरियां चली गईं।

लिथुआनियाः सबसे बड़े बंदरगाह को खरीदने की साजिश

चीन ने यूरोप के 17 प्लस प्लान में लिथुआनिया से व्यापार संबंध बढ़ाए। लिथुआनिया की लगभग 60 बड़ी कंपनियों के साथ करार किया, लेकिन दो साल में ही इसे तोड़ दिया। अब लिथुआनिया सरकार को अपनी इन कंपनियों के लिए एक लाख करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान करना पड़ा है। साथ ही चीन ने उसके सबसे बड़े बंदरगाह कायलपेड़ा को खरीदने की साजिश रची थी।

राष्ट्रपति साई इंग-वेन चीन पर सख्तःसीमा में ड्रैगन के फाइटर जेट घुसे, मुंहतोड़ जबाव देने को ताइवान अलर्ट

वाशिंगटन। ताकतवर देश चीन के अड़ियल रुख के सामने छोटे से देश ताइवान की महिला राष्ट्रपति साई इंग-वेन डटी हुई हैं। चीन के फाइटर जेट्स ने सोमवार को जब सीमा में घुसपैठ की कोशिश की तो ताइवान का एयर डिफेंस सिस्टम अलर्ट हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने पहले एक फाइटर जेट ताइवान की एयर डिफेंस जोन में भेजा, उसके कुछ देर बाद कई जेट्स की घुसपैठ कराई। हालांकि, ताइवान की एयरफोर्स भी इस दौरान अलर्ट पर थी। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने चीन की ओर से लगातार बढ़ते सैन्य और कूटनीतिक दबाव के बीच अपनी स्वतंत्रता और लोकतंत्र को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है। अपने नए साल के संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा, 'लोकतंत्र और स्वतंत्रता कोई अपराध नहीं है, और ताइवान हांगकांग को सपोर्ट करता रहेगा। अपनी चिंता दिखाने के अलावा, हम अपनी मेहनत से

अर्जित स्वतंत्रता को संजोकर रखेंगे और लोकतंत्र और भी मजबूत बनाएंगे।'

हमें कम आंकने की गलती न करे चीन

ताइवान की राष्ट्रपति ने नए साल के अपने संदेश में चीन को लेकर कहा कि चीन अथॉरिटी को हमें गलत जज करने की भूल नहीं करनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सैन्य युद्ध से कोई समाधान नहीं निकलेगा। ऐसे में मीलेट्री एडवंचरिज्म से चीन को बाज आना चाहिए। हम एक स्वतंत्र देश हैं और हम अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हर कीमत पर प्रयास करेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने कहा, ÷हम ताइवान को और बेहतर बनाएंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि लोकतांत्रिक ताइवान में सत्तावादी चीन की छाया से बाहर निकलने का साहस है और हम दबाव के आगे नहीं झुकेंगे।' बता दें कि दशकों के अलग शासन के बाद भी चीन ताइवान को एक अलग प्रांत मानता रहा है। ताइवान ने अमेरिका सहित अन्य लोकतंत्रिक देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को बढ़ाकर चीनी आक्रामकता का मुकाबला किया है। चीन ताइवान को युद्ध की धमकी भी देता रहा है।

ईरान ने दी बदले की धमकी : जनरल सुलेमानी की दूसरी बरसी पर रईसी का एलान, ट्रंप पर मुकदमा चलाएं वर्ना..

ईरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने अमेरिका को जनरल कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने की धमकी दी है। सुलेमानी की दूसरी बरसी के मौके पर रईसी ने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो पर सुलेमानी की हत्या को लेकर मुकदमा अवश्य चलाया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो ईरान बदला लेगा। 3 जनवरी 2020 को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर इराक में ड्रोन हमला किया गया था। इसमें ईरान की रिवोल्यूशनरी

गॉर्ड्स की कुदुस फोर्स के कमांडर सुलेमानी की मौत हो गई थी। सुलेमानी की दूसरी बरसी के मौके पर ईरान व उसके सहयोगी देशों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। राष्ट्रपति रईसी ने सोमवार को दिए भाषण में कहा, 'यदि ट्रंप व पोम्पियो पर जनरल सुलेमानी की हत्या को लेकर निष्पक्ष आपराधिक केस नहीं चलाया गया तो मुस्लिम समुदाय शहादत का बदला लेगा।' उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को आक्रमणकर्ता, हत्यारा और मुख्य आरोपी करार दिया और कहा कि उन पर इस्लामिक कानून के मुताबिक मुकदमा चलना चाहिए।

विश्व के 5 महाशक्तिशाली 'दुश्मन' देशों ने परमाणु हथियारों पर जारी किया हैरानीजनक संयुक्त बयान

लंदन। विश्व की पांच महाशक्तिशाली 'दुश्मन' देशों चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के नेताओं ने पहली बार सोमवार को परमाणु युद्ध छिड़ने से रोकने और हथियारों की दौड़ से बचने पर एक संयुक्त बयान जारी कर दुनिया को हैरान कर दिया है। इन पांचों देशों ने एक-दूसरे पर परमाणु हथियारों का उपयोग न करने का संकल्प भी जताया है। पांचों देशों के नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि वे मानते हैं कि परमाणु हथियारों से संपन्न देशों के बीच युद्ध से बचना और सामरिक खतरे कम करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक दूसरे के खिलाफ नहीं परमाणु हथियार

उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि परमाणु युद्ध में कभी जीत नहीं हो सकती है और इसे कभी नहीं लड़ना चाहिए।' इसके अलावा पांचो देशों ने कहा कि हम अपने परमाणु हथियारों के निशाने पर पिछले बयानों की वैधता को दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि हम पुष्टि करते हैं कि हमारा कोई भी परमाणु हथियार एक दूसरे पर या किसी अन्य पर लक्षित नहीं है। दोनों देशों ने कहा कि हम पुष्टि करते हैं कि परमाणु युद्ध को नहीं जीता जा सकता है और इसे कभी भी नहीं लड़ा जाना चाहिए।

आक्रामकता और युद्ध रोकने के लिए होगा इस्तेमाल

पांचों देशों ने कहा कि चूंकि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के दूरगामी परिणाम होंगे, इसलिए हम इसका इस्तेमाल रक्षात्मक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही करेंगे। इससे हम आक्रामकता को रोकेंगे और युद्ध

को टालने के लिए इस्तेमाल करेंगे। हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस तरह के हथियारों के और प्रसार को रोका जाना चाहिए। पांचों राष्ट्रों ने परमाणु अप्रसार संधि के तहत दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अफगानिस्तान में मासूमों के लिए घातक रहा सदी का दूसरा दशक, 27 प्रतिशत बच्चे हुए हताहत : यूनिसेफ

काबुल। पूरी दुनिया में इस सदी का दूसरा दशक बच्चों के लिए काफी घातक साबित हुआ है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के अनुसार पिछले 10 सालों में बच्चों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा और उनकी जिंदगी झटके में बर्बाद हो गई। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह रहा खूनी संघर्ष । टोलो न्यूज में जारी NICEF रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में 2005 से अब तक 28,500 से अधिक बच्चे संघर्षों में मारे गए हैं, जो दुनिया भर में सभी सत्यापित बाल हताहतों का 27 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान में पिछले 16 वर्षों में सबसे ज्यादा बच्चों के हताहत होने की पुष्टि हुई है। यूनिसेफ के मुताबिक अफगानिस्तान, यमन, सीरिया और उत्तरी इथियोपिया ऐसे स्थान हैं जहां बच्चों ने विनाशकारी कीमत चुकाई है क्योंकि सशस्त्र संघर्ष, अंतर-सांप्रदायिक हिंसा और असुरक्षा जारी है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष की कार्यकारी निदेशक हेनरीएटा फोर के मुताबिक इस दशक के दौरान हिंसक संघर्ष पहले की अपेक्षा अधिक लंबे समय तक चलते दिखाई दिए। इसका सीधा असर वहां पर रहने वाले खासतौर पर युवाओं पर पड़ा है। फोर का यहां तक कहना है कि ये संघर्ष अधिक संख्या में युवाओं की मौत का कारण बने हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 में यूनीसेफ ने बाल अधिकार हनन के चौबीस हजार से अधिक मामलों का सत्यापन किया था। इनमें हत्या, अपंगता,

यौन हिंसा, बाल सैनिकों की भर्ती और स्कूलों व अस्पतालों पर हमले, अपहरण, मानवीय राहत का अभाव शामिल हैं। वर्ष 2010 की तुलना में बच्चों के खिलाफ हुए मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2019 में भी बच्चों के ऊपर हुई हिंसा और उन पर हुए हमलों के मामले में कोई कमी नहीं

फ्रांस में मिला कोरोना का एक और नया वैरिएंट; 46 बार बदला रूप, ऑस्ट्रेलिया में बढ़ा संक्रमण का प्रकोप

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन के खतरे के बीच दुनिया के लिए एक और नई मुसीबत सामने आ सकती है। कोरोना के नए वैरिएंट बार-बार सामने आ रहे हैं। फ्रांस में कोरना वायरस एक और नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इस नए वैरिएंट से दक्षिणी फ्रांस में 12 लोग संक्रमित भी मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इसकी पहचान क्ष1.640.2.के रूप में की है। उनका कहना है कि इस नए वैरिएंट में अब तक 46 म्यूटेशन देखे गए हैं। हालांकि, यह कितना खतरनाक है और इसके संक्रमण की दर कितनी है, इसको लेकर अभी रिपोर्ट सामने नहीं आई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों में नया वैरिएंट पाया गया है, वे कैमरून ने वापस लौटे थे। ऐसे में यह संक्रमण दक्षिण अफ्रीकी देशों में फैल सकता है।

नया वैरिएंट दो स्तर पर अधिक खतरनाक

पिछले साल भी ऐसा हुआ था, लेकिन सभी नए वैरिएंट कितने खतरनाक हैं, इसको लेकर अभी भी अध्ययन चल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नया वैरिएंट दो स्तर पर खतरनाक हो सकता है या तो उसमें मृत्युदर अधिक हो या फिर संक्रमण दर। हालांकि, अभी फ्रांस में मिले नए वैरिएंट के बारे में इस तरह की जानकारी सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक Variant IHU पूरे 46 बार रूप बदल चुका है। माना जा रहा है कि यह मूल कोविड वायरस के मुकाबले ज्यादा टीका प्रतिरोधी और संक्रामक हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिन 12 लोगों में नए वैरिएंट की पहचान हुई है, उसमें एक असामान्य संयोजन देखा गया है। 46 म्यूटेशन के साथ नया वैरिएंट वैक्सीन को भी मात दे सकता है। वैज्ञानिकों का

कहना है कि नए वैरिएंट खुद में कोरोना टीके की प्रतिरक्षा तैयार कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अस्पतालों तथा जांच केन्द्रों पर लगातार बढ़ा दबाव

ऑस्ट्रेलिया में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके कारण अस्पतालों तथा जांच केन्द्रों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले शहर न्यू साउथ वेल्स में संक्रमण के 23,131 नए मामले सामने आए। वहां, 1,344 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। ये नए मामले 83,376 नमूनों की जांच के बाद सामने आए और संक्रमण दर 28 प्रतिशत रही। विक्टोरिया में कोविड-19 के 14,020 नए मामले सामने आए। वहां, 516 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और 108 मरीज गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते संक्रमण के मामलों के बीच कुल संक्रमितों की संख्या 5,00,000 को पार कर गई।

सिर्फ तीन केस के बाद चीन ने इस शहर में लगा दिया लॉकडाउन

इस बीच चीन ने तो कोरोना के मात्र तीन केस सामने आने पर यूझू शहर में लॉकडाउन लगा दिया है। लगभग 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर यूझू में पूर्ण लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है और लोगों को बिना किसी आवश्यक कारण के घर से बाहर न निकलने की सख्त हिदायत दी गई है। सोमवार को जारी बयान में लोगों से कहा गया है कि महामारी की रोकथाम के लिए सोमवार रात से लॉकडाउन लगाया जा रहा है और लोगों को घरों में रहने को कहा गया है। जबकि, चीन पहले से ही शहर में बस और टैक्सी जैसी सेवाओं पर रोक लगा चुका है। यहां तक कि शॉपिंग मॉल, संग्रहालय व अन्य पर्यटक स्थलों को भी बंद किया जा रहा है। बता दें कि मंगलवार को चीन में 175 नए कोरोना मरीज सामने आए। इसमें हेनान प्रांत में पांच और निंगबो शहर के एक कपड़ा कारखाने में आठ मामले सामने आए।

ओमीक्रोन के चलते अमेरिकी स्कूलों -कार्यस्थलों पर वापसी की संभावना रद्द

अमेरिका में कोविड-19 मामलों में विस्फोट के बाद देश भर के कुछ स्कूलों ने छुट्टियों की अवधि को सोमवार को बढ़ा दिया या फिर से शिक्षण के ऑनलाइन माध्यम पर लौट आए हैं जबकि अन्य ने इस बढ़ती भावना के साथ भौतिक रूप से शिक्षण को जारी रखा कि अमेरिकियों को वायरस के साथ सह-अस्तित्व में रहना सीखना होगा। संक्रमण से डरने वाले शिक्षकों और अपने बच्चों को कक्षा में भेजने की इच्छा रखने वाले अभिभावकों के आवेदनों के बीच उलझे न्यूयॉर्क, मिल्वॉकी, शिकागो, डेट्रायट और उससे आगे के शहरों के स्कूल अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन के कारण अकादमिक वर्ष के बीच खुद को एक कठिन स्थिति में पा रहे हैं।

न्यूयॉर्क सिटी खुले रखेगी स्कूल

देश की सबसे बड़ी स्कूल प्रणाली के शहर, न्यूयॉर्क सिटी ने घर ले जाने वाली कोविड-19 जांच किटों के साथ लगभग 10 लाख विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं को फिर से खोल दिया और स्कूलों में की जाने वाली जांच संख्या को दोगुना करने की योजना बनाई। शहर के मेयर एडिक एरम्स ने एमएसएनबीसी से कहा, ÷हम सुरक्षित रहेंगे और हम अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूलों को खुला रखने वाले हैं।÷ शिक्षक संघ ने जहां मेयर को एक सप्ताह के लिए व्यक्तिगत रूप से शिक्षण स्थगित करने के लिए कहा था, वहीं शहर के अधिकारी लंबे समय से कह रहे हैं कि मास्क एवं जांच आवश्यकताओं और अन्य सुरक्षा उपायों का मतलब है कि बच्चे स्कूल में सुरक्षित हैं। शहर में कर्मचारियों के लिए टीकाकरण जनादेश भी लागू है। शहर में कोविड-19 के नए मामले छुट्टियों से पहले सप्ताह में लगभग 17,000 के दैनिक औसत से पिछले सप्ताह लगभग 37,000 हो गए थे।

मिसिसिपी में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी

उधर, नए मामलों के बढ़ने के साथ ही मिसिसिपी में कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कोविड??-19 के पुष्ट मामलों वाले 695 लोगों को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह दो सप्ताह पहले 19 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती 265 मरीज से अधिक है। विभाग ने सोमवार को वायरस के 17,525 नये मामलों की भी पुष्टि की।

प्लेन में फंस गया 'विशालकाय' आदमी, एयरलाइन ने उतारने के बजाय दिया बड़ा ईनाम

वाशिंगटन। अपने विशालकाय शरीर की वजह से अक्सर दिक्कतों का सामने करने वाले इंसान को उस समय हैरानी हुई जब इसी वजह से एक कंपनी ने ईनाम देकर नवाजा। ये शख्स अपनी हाइट के कारण प्लेन में समा नहीं पा रहा था । इसके बाद जो हुआ उससे यह शख्स हैरान रह गया। इस शख्स ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुई अजीबोगरीब घटना शेयर की है। कोविड के समय में ज्यादातर लोग फ्लाइट से ट्रेवल करना चाहते हैं। लेकिन अपनी हाइट की वजह से टिक टॉकर बीयू ब्राउन के लिए

फ्लाइट से ट्रेवल करना काफी मुश्किल भरा साबित होता है । 29 साल के बीयू ब्राउन की हाइट 7 फीट 1 इंच है जिस कारण वो प्लेन में नहीं समा पाता है। विशालकाय बीयू ब्राउन ने फ्लाइट के बिजनेस क्लास का टिकट बनवाया था।उसके बाद जैसे ही वह प्लेन में चढ़ा सभी यात्री उसे देखने लगे। असल में बीयू की हाइट के कारण वो प्लेन में समा नहीं पा रहा था।उसे ऐसा लगा कि अब शायद उसे प्लेन से उतार दिया जाएगा लेकिन तभी एयरलाइन ने उसे शानदार तोहफा दे डाला।बीयू ब्राउन को जॉर्जिया से नॉर्थ कैरोलिना जाना था। उसकी हाइट ज्यादा है इस वजह से उसने इमरजेंसी एग्जिट की सीट ली थी। उसे पता था कि हाइट की वजह से समस्या हो सकती है लेकिन जब वो प्लेन में चढ़ा तो अपनी सीट पर समा ही नहीं पाया तो कंपनी ने उसकी टिकट फर्स्ट क्लास में अपग्रेड कर दी। अपने साथ हुई इस घटना को बीयू ने ऑनलाइन शेयर किया । उसके टिकटोक पर 17 लाख फॉलोवर्स हैं। उसके द्वारा अपलोड वीडयो को अब तक 60 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। एटलांटा के रहने वाले बीयू ने आगे बताया कि हाइट की वजह से उसे हमेशा ट्रेवलिंग में समस्या होती है लेकिन इस बार उसने कल्पना भी नहीं की थी कि हाइट की वजह से उसकी टिकट फर्स्ट क्लास में अपग्रेड हो जाएगी।

दिल्ली में कोरोना के नए मामले 10 हजार के पार

सभी सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल

दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए राज्य सरकार के सभी अधिकारियों कर्मचारियों की छुट्टी कैंसिल कर दी गई है। जिनकी छुट्टी स्वीकार की गई थी और जो मेडिकल लीव पर थे सभी की छुट्टी अगले आदेश तक सरकार ने रद कर दी है।

प्रफुल्ल राय ''शिवालिक''

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सेवा विभाग ने बुधवार को आदेश जारी कर सभी विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी हैं। वजह, कोरोना महामारी काफी ज्यादा फैल चुकी है और इसके प्रबंधन के लिए ज्यादा अधिकारियों की जरूरत है। अधिकारी मेडिकल अवकाश के अलावा कोई अन्य अवकाश नहीं ले सकेंगे। साथ ही उन्हें दिल्ली से कहीं बाहर जाने की भी अनुमति नहीं होगी।

वहीं, कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में कोरोना के इलाज के लिए आरक्षित बेड करीब एक तिहाई बढ़ा दिए गए हैं। इस बाबत दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी किया है। पहले कोरोना के इलाज के लिए अधिकृत दिल्ली सरकार के नौ अस्पतालों में 3316 बेड आरक्षित थे। अब इन अस्पतालों में कुल 4350 बेड आरक्षित करने का आदेश दिया है।महानिदेशालय ने अस्पतालों को तत्काल प्रभाव से इस आदेश पर अमल करने का निर्देश दिया है। साथ ही अस्पतालों में जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्त करने का निर्देश भी दिया है।

बता दें कि दिल्ली में कोरोना का संक्रमण हर दिन एक नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच रहा है। चिंताजनक यह है कि अब तो मौत के मामले भी बढ़ने लगे हैं। स्थिति यह है कि संक्रमण दर 8.37 प्रतिशत से बढ़कर 11.88 प्रतिशत हो गई है। इस वजह से दिल्ली में करीब आठ माह बाद कोरोना के मामले 10 हजार के आंकड़े को पार कर गया। बुधवार को दिल्ली में कोरोना के 10,665 नए मामले आए। इससे पहले पिछले साल 13 मई को 10,489 मामले आए थे। इससे सक्रिय मरीजों की संख्या 23 हजार से अधिक हो गई है। पिछले 24 घंटे में 2239 मरीज ठीक हुए। वहीं आठ मरीजों की मौत हो गई। ये पिछले करीब छह माह (185 दिन) में 24 घंटे में मौत के सर्वाधिक मामले हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दिन में ही कोरोना से 11 मरीजों की मौत हो चुकी है व इस माह अब तक पांच दिनों में 14 मरीजों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़े बताते हैं कि कोरोना के मौजूदा बढ़ते संक्रमण को बहुत हल्के में लेना भारी भी पड़ सकता है। पिछले साल चार जुलाई को एक दिन में सात मरीजों की मौत का मामला सामने आया था। इसके बाद अब एक दिन में सबसे अधिक मौत के मामले सामने आए हैं।

दिल्ली में 58 स्वास्थ्य कर्मी हुए कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने के साथ अस्पतालों में डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी तेजी से संक्रमित हो रहे हैं। दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में अब तक 58 के करीब डॉक्टर्स व अन्य स्वास्थ्य कर्मी संक्रमित हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित की संख्या सफदरजंग अस्पताल से है। यहां पिछले 7 दिनों में 23 डॉक्टर कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इसके अलावा लोकनायक अस्पताल में 15, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 5, एम्स ट्रामा सेंटर में 6, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में 4 और लोकनायक अस्पताल में 5 डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल है। डॉक्टरों की माने तो दिल्ली में तेजी से फैल रहे कोरोना के साथ स्वास्थ्य कर्मी भी उनके संपर्क में आने से कोरोना पॉजिटिव हो रहे हैं। हालांकि, कोरोना की दोनों वैक्सीन लगी होने के कारण इनमें से अधिकतर स्वास्थ्य कर्मियों की स्थिति काफी बेहतर है। सभी को सामान्य लक्षण है। किसी को भी अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत अभी तक नहीं है। स्वास्थ्य कर्मचारी खासतौर पर फैकल्टी और रेजिडेंट डॉक्टर संक्रमित होने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगे।

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर राष्ट्र मंदिर में भारत गाथा कार्यक्रम आयोजित

■ नई दिल्ली

भारत की आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्र मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भारत गाथा का आयोजन किया गया, जिसमें भिन्न प्रकार के 75 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अध्यात्म व राष्ट्रवाद को समर्पित तीर्थ राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम के तत्वावधान में श्रद्धेय अजय भाई की ओर से संतों की वाणी व बलिदानी सैनिकों की कहानी से ओतप्रोत संगीतमय नव दिवसीय भारत गाथा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्रद्धेय अजय भाई ने अयोध्या के रामलीला के सूत्रधार व ओरछा की रामलीला के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी पी टंडन को भी सम्मानित किया।

वहीं, अजय भाई की विशिष्ट ओजपूर्ण शैली में राष्ट्र के शौर्यपूर्ण इतिहास का संगीतमय वर्णन भारत गाथा में जहां तुलसी सूर कबीर मीरा के दोहे व पदों को भक्ति भाव से गाया गया। वहीं महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, लक्ष्मी बाई, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जैसे अनेक वीरों की

कहानियों का वर्णन करते हुए राष्ट्रभक्ति गीत विजय विश्व तिरंगा प्यारा, मेरा रंग दे बसंती चोला.. इत्यादि गीतों की प्रस्तुति बड़े ओजपूर्ण से की गई।

इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों सहित आध्यात्मिक, धार्मिक सामाजिक, राजनीतिक विभूति महंत नारायण गिरी दूधेश्वर मठ, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यवाह आलोक कुमार, उत्तर प्रदेश के श्रम राज्यमंत्री ठाकुर रघुराज सिंह, आईसीसीआर के चेयरमैन एवं सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे, पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा, महाराष्ट्र के सांसद गोपाल शेट्टी, कैप्टन हरिहर शर्मा, रामवीर सिंह बिधूड़ी, अजय महावर, श्याम जाजू, राजेश चेतन कवि व एसके तिजारावाला प्रवक्ता, पतंजलि योग पीठ ने विशेष रूप से भाग लिया।

सिसोदिया के जवाब के विरोध में भाजपा ने दिल्ली विधानसभा से किया बहिर्गमन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के दूसरे दिन जब उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोविड से जान गंवाने वाले लोगों को मुआवजा देने की दिल्ली सरकार की शक्ति छीन ली है, तो भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक पर गृह मंत्रालय सख्त

अमित शाह की दो-टूक, ऐसी लापरवाही अस्वीकार्य, तय होगी जवाबदेही

आनंद राय

नई दिल्ली। बुधवार को पाकिस्तानी सीमा से महज 30 किलोमीटर दूर पंजाब के फिरोजपुर जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में बड़ी लापरवाही सामने आई। सड़क मार्ग से रैली में शामिल होने जा रहे प्रधानमंत्री के काफिले को प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया जिस वजह से करीब 20 मिनट तक पीएम फ्लाईओवर पर फंसे रहे। आखिर आगे का कार्यक्रम रद कर उन्हें दिल्ली लौटना पड़ा। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक बठिंडा एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री ने अफसरों से कहा, अपने मुख्यमंत्री चन्नी को धन्यवाद कहना कि मैं जिंदा लौट रहा हूं। सुरक्षा में हुई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे बड़ी लापरवाही करार दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा- पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रधानमंत्री के दौरे में सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह की लापरवाही पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इस मामले में जवाबदेही तय की जाएगी... पंजाब में कांग्रेस-निर्मित यह घटना इस बात का ट्रेलर है कि यह पार्टी कैसे सोचती है और काम करती है। लोगों द्वारा बार-बार ठुकराए जाने ने उन्हें पागलपन के रास्ते पर ला खड़ा कर दिया है। पंजाब की सरकार ने जो किया उसके लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

सख्त कारवाई करने के निर्देश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार से 24 घंटे में जवाब मांगा है। मंत्रालय के मुताबिक राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री की पंजाब यात्रा में बड़ी सुरक्षा चूक के बाद उनके काफिले ने लौटने का फैसला किया। हमने पंजाब सरकार से इस चूक की जिम्मेदारी तय करने और सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

पीएम मोदी बुधवार को सुबह 11 बजे बठिंडा पहुंचे थे जहां से उन्हें हेलिकाप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था लेकिन बारिश और खराब विजिबिलिटी के चलते प्रधानमंत्री ने करीब 20 मिनट तक मौसम साफ होने का इंतजार किया।

एसडीएमसी ने स्पोर्ट्स सेल का गठन किया, छात्रों का मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने एवं उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए पॉयलेट प्रोजक्ट के तहत स्पोर्ट्स सेल का गठन किया है। इस तहत नजफगढ़ क्षेत्र के ककरौला, झाड़ौदा, पोचनपुर और सुरहेरा में ग्रासरूट फुटबॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगी। यह जानकारी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने दी। उन्होंने बताया कि नजफगढ़ क्षेत्र से स्पोर्ट्स सेल एवं ग्रासरूट फुटबॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ करने की रूपरेखा तैयार की है। इसके लिए अनुबंध आधार पर फुटबॉल प्रशिक्षकों के लिए दक्षिणी निगम ने आवेदन मंगाए हैं। भारती ने प्रस्तावित स्पोर्ट्स सेल के गठन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि निगम विद्यालयों के छात्रों के लिए खेलों का किसी भी प्रकार का आधारभूत ढांचा उपलब्ध नहीं है। इस कमी को पूरा करने के लिए दक्षिणी निगम का शिक्षा विभाग स्पोर्ट्स काम्पलेक्स-स्टेडियम एवं बड़े खेल के मैदानों के डिजाइन, निर्माण, संचालन एवं हस्तांतरण आधार पर विकसित करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

मेक इन इंडिया : उत्तर रेलवे ने वेंडर मीट का आयोजन किया

■ नई दिल्ली

आत्मनिर्भर भारत के व्यापक उद्देश्य के साथ भारत में माल के निर्माण और इससे जुड़ी सेवाओं को प्रोत्साहन देने की भारत सरकार की मेक इन इंडिया नीति के अनुपालन में उत्तर रेलवे ने 28 दिसंबर को डिजिटल माध्यम से वेंडर मीट का आयोजन किया। इस मीट का उद्देश्य रेल मंत्रालय में मेक इन इंडिया नीति के क्रियान्वयन के संबंध में औद्योगिक परिप्रेक्ष्य को समाहित करते हुए व उसके फीड-बैक की प्रकृति को समझते हुए नीति को और अधिक बेहतर तरीके से क्रियान्वित करना है। इस मीट में देश के विभिन्न उद्योगों के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मीट के दौरान इस बात को रेखांकित किया गया कि उत्तर रेलवे की खरीद प्रक्रिया मेक इन इंडिया उत्पादों के लिए सहयोगी है। इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि किसी भी तरह के प्रतिबंधित अथवा भेदभावपूर्ण मानदंडों से बचा जाए ताकि विभिन्न खरीदों में स्वदेशी उद्योगों को मदद मिल सके। भागीदारी, स्वदेशी कम्पनियों के साथ सहयोग भारत में उत्पादन इकाईयों की स्थापना अथवा भारतीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से लोकल कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए नीति के प्रावधानों पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है । लोकल कंटेंट की सही व्याख्या, श्रेणी 1 और 2 के अंतर्गत वेंडरों की वर्गीकरण और गैर स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं, खरीद प्राथमिकता का विस्तार और निविदा निर्णय में खरीद की प्राथमिकता के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया जैसे नीति के विभिन्न प्रावधानों को स्पष्ट करने के लिए भी विचार-विमर्श किया गया। सीमित स्वदेशी वेंडर बेस वाली मदों की डिजिटल प्रदर्शनी में स्थानीय निर्माण क्षमता को बढ़ाने वाले उद्योगों से संबंधित सभी जरूरी सूचनाओं के साथ प्रदर्शित किया गया । उनके संदेहों को दूर करने के लिए बुलाए गए सत्र में उद्योगों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया । उद्योगों के प्रतिनिधियों ने उत्तर रेलवे पर नीति के क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेक इन इंडिया नीति के अंतर्गत आगे भी व्यापक रूप से सहभागिता प्राप्त होगी ।

सीमित स्वदेशी वेंडर बेस वाली मदों की डिजिटल प्रदर्शनी में स्थानीय निर्माण क्षमता को बढ़ाने वाले उद्योगों से संबंधित सभी जरूरी सूचनाओं के साथ प्रदर्शित किया गया।

ऑक्सीजन की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए सरकार ने जारी किया एक्शन प्लान

■ नई दिल्ली

ऑक्सीजन की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए दिल्ली सरकार ने एक्शन प्लान जारी किया है। इसके तहत आपदा के वक्त जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति करने में मदद मिलेगी। साथ ही वॉर रूम से इसकी लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि वक्त रहते ऑक्सीजन का इंतजाम किया जा सके। मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के सरकारी और निजी अस्पतालों के सभी ऑक्सीजन टैंकों में टेलीमेट्री डिवाइस लगाए जा रहे हैं। दिल्ली के 53 बड़े निजी और सभी सरकारी अस्पतालों के ऑक्सीजन टैंकों में टेलीमेट्री डिवाइस लगाए जाएंगे। इससे ऑक्सीजन की रियल-टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी और आपदा के वक्त जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति करने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने बताया कि कोरोना की पिछली लहर में यह देखा गया कि देश भर में अचानक से अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत होने लगी और कई अस्पतालों ने अपने यहां ऑक्सीजन खत्म होने का आपातकालीन अलार्म बजाना शुरू किया। सरकार के लिए यह सुनिश्चित करना मुश्किल हो रहा था कि किस अस्पताल को पहले ऑक्सीजन पहुंचाई जाए और कौन से अस्पताल को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। उस समय केंद्र सरकार द्वारा ऑक्सीजन के आवंटन की प्रक्रिया को नियंत्रित किया जा रहा था, जिस कारण सभी राज्यों के लिए ऑक्सीजन का इंतजाम कर पाना बहुत मुश्किल हो गया था। ऐसे समय में भी केजरीवाल सरकार ने कोरोना जैसी आपदा को काबू करने के लिए जो कदम उठाए, वो देश के लिए एक मिसाल है। चाहे वो होम आइसोलाशन की प्रक्रिया हो या मरीजों के घर पर ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर पहुंचना हो, केजरीवाल सरकार ने हर मुमकिन फैसले समय रहते लिए हैं।

वीकेंड कर्फ्यू को लॉकडाउन के तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए : जैन

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली में संक्रमण दर 8.5 प्रतिशत दर्ज की गई, साथ ही कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर वीकेंड में कर्फ्यू लगाया गया है, उसे लॉकडाउन के तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए। जैन ने कहा कि विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के लिए मुख्य तौर पर कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन जिम्मेदार है।

उन्होंने बताया कि सोमवार को दिल्ली में कोविड-19 के 4,099 नए मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 6.46 प्रतिशत थी।

दिल्ली भाजपा में युवा मोर्चा के सोशल मीडिया सह संयोजक बने राहुल सरोहा

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता राहुल सरोहा को युवा मोर्चा दिल्ली प्रदेश का मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। मंगलवार को दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा के सोशल मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी मिलने के बाद राहुल सरोहा ने पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा से उनके निवास पर मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। वहीं, भाजपा सांसद ने उन्हें पार्टी के लिए बेहतर कार्य करने का आशीर्वाद दिया। उधर, नई जिम्मेदारी मिलने के बाद राहुल

सरोहा ने पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, संगठन मंत्री सिद्धार्थन और युवा मोर्चा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वासू रूखर सहित पार्टी के समस्त शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उधर, पार्टी में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद अनेक राजनीतिक साथियों व शुभचिंतकों ने राहुल सरोहा को बधाई दी।

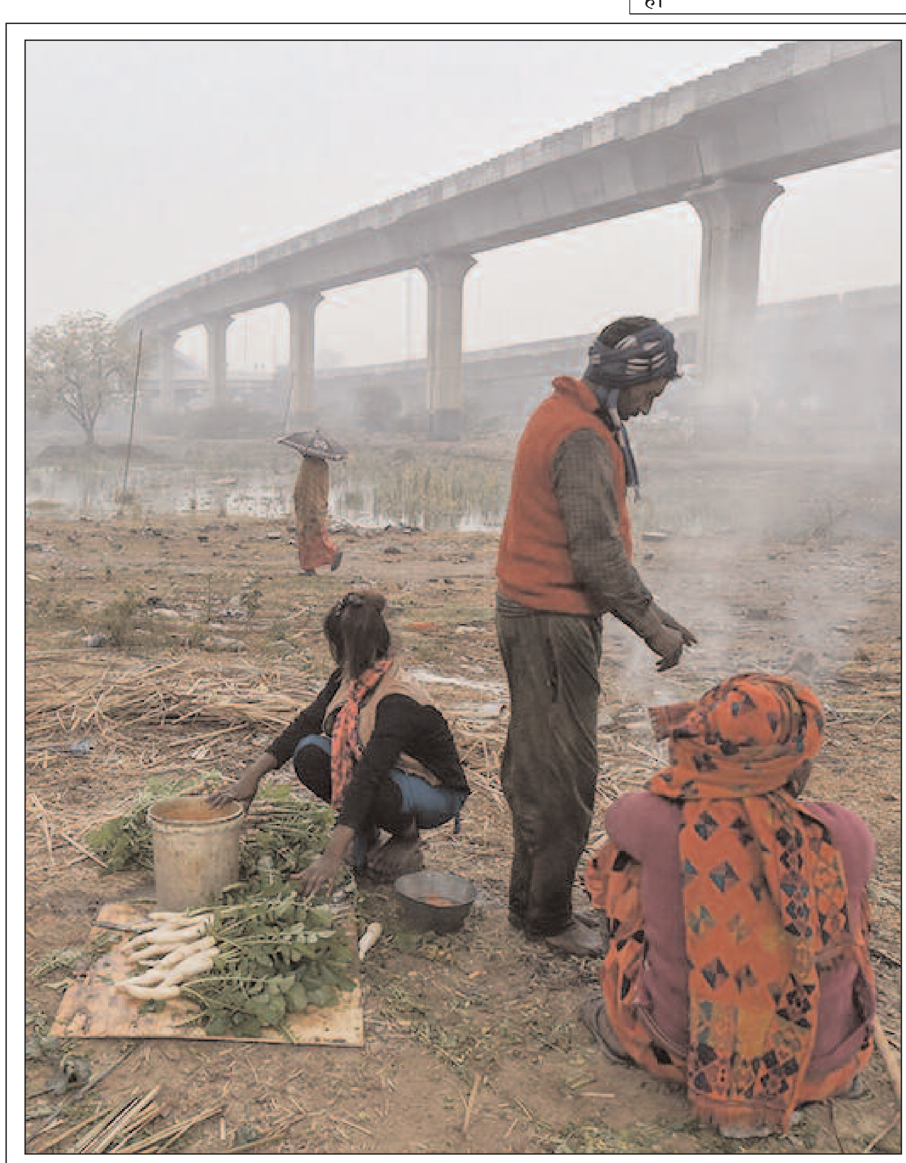

नई दिल्ली में कड़ाके की ठंड के दिन लोग एक छोटी सी आग से खुद को गर्म करते हैं।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक का आयोजन किया

■ नई दिल्ली

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने मंगलवार को प्रधान कार्यालय बडौदा हाउस नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों के साथ एक कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक का आयोजन किया। महाप्रबंधक ने कहा कि रेलवे संरक्षा को बहुत महत्व देता है । इसके लिए रेलपथों, चल स्टॉक, सिग्नल एवं बिजली की ओवर हैड तारों के रख-रखाव पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने विभागों से रेल कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्या पाठयक्रम आयोजित करने का परामर्श दिया ताकि उन्हें जागरूक बनाए रखा जा सके और रेल प्रणाली में मानवीय त्रुटियों को कम किया जा सके। सर्दियों के

मौसम में घने कोहरे से उत्तरी क्षेत्र में रेल परिचालन बहुत कठिन हो जाता है ।

उन्होंने सभी मंडलों को निर्देश दिया कि सिगनल प्रणाली को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। महाप्रबंधक ने रेल पटरियों में आने वाली दरारों पर चिंता प्रकट की और सिगनलों, रेल दरारों और रेल वेल्डों की व्यापक रूप से निगरानी के निर्देश दिए और कहा कि

बैठक में संरक्षा और कोहरे के दौरान रेल परिचालन की चुनौतियों पर बल दिया

इसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं रहनी चाहिए । महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं में बढोतरी के कार्यों एवं नई लाइनों और दोहरीकरण के प्रोजेक्टों के कार्य में तेजी लाने के लिए संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने जहां भी आवश्यक है, वहां पेडों की छंटाई के लिए वन विभाग से अनुमोदन लेने की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए ताकि उनसे रेल पटरियों अथवा ओएचई तारों को कोई क्षति न पहुंचे। उन्होंने रेलपथों पर विद्युत संरक्षा के साथ-साथ रेलगाड़ियों के निर्बाध परिचालन के लिए रिले और पैनल रूमों की संरक्षा पर भी ध्यान केन्द्रित करने के निर्देश दिए । उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय त्रुटियों को कम करने पर जोर दिया। उन्होंने विभागाध्यक्षों ओर मंडल रेल प्रबंधकों को समयपालनबद्धता को 95 प्रतिशत बनाए रखने और माल लदान व संरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

फ्रेट बिजनेस डेवलेपमेंट पर बोलते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि बिजनेस डेवलेपमेंट यूनिटों के साथ परस्पर संपर्क बनाए रखना चाहिए । उन्होंने निर्देश दिए की बीडीयू आधीन सक्रियता के साथ ग्राहकों के बीच भरोसे, सहयोग और आत्मविश्वास का माहौल बनाना चाहिए । उन्होंने रेलवे द्वारा दी जा रही रियायतों और उपायों को ग्राहकों तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि हर गुजरते माह के साथ खाद्यान्न और अन्य मदों के लदान में वृद्धि हुई है।

दिल्ली में 8.5 फीसद के करीब पहुंची कोरोना संक्रमण दर

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर के साथ मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। मंगलवार को दिल्ली में संक्रमण दर 8.5 फीसदी के पास पहुंच गई है। जबकि मौत का आंकड़ा लंबे समय के बाद 3 तक पहुंच गया है। वहीं कोरोना के एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 15 हजार के करीब पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मंगलवार को कोरोना के 5481 नए मामले सामने आए। वहीं 1575 मरीजों को छुट्टी दी गई जबकि 3 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1463701 लोग कोरोना संक्रमित हो गए हैं। वहीं इनमें से 1423699 मरीज ठीक हो चुके हैं। जबकि कोरोना से 25113 मरीज दम तोड़ चुके हैं। दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर 1.72 फीसद हो गई है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 14889 हो गए हैं।

संपादकीय

उम्मीदों का टीका

सोमवार को पंद्रह से अठारह साल के किशोर-किशोरियों में वैक्सीन लगाये जाने को लेकर जो उत्साह नजर आया, उससे पता चलता है कि किशोर व अभिभावक संक्रमण से बचाव को लेकर खासे फिक्रमंद थे। नये वेरिएंट के तेज होते संक्रमण में किशोरों का टीकाकरण और अन्य पाबंदियां निस्संदेह दोहरी प्रतिरक्षा प्रदान करेंगी। काफी लंबे विमर्श के बाद किशोरों का टीकाकरण आरंभ हुआ। इससे जहां कोरोना से लड़ाई को मजबूती मिलेगी, वहीं शिक्षण संस्थानों में स्थिति शीघ्र सामान्य बनाने में भी मदद मिलेगी। गत 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने तीन जनवरी से किशोरों के टीकाकरण व 10 जनवरी से स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम मोर्चे के कार्यकर्ताओं तथा साठ साल से अधिक उम्र के लोगों को तीसरी सुरक्षा डोज देने की घोषणा की थी। ओमीक्रोन की तेज संक्रमण दर के बाद यह जरूरी हो गया था। हालांकि, देशभर में अब तक 146 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी हैं, जिसमें अस्सी करोड़ से ज्यादा को पहली व साठ करोड़ से अधिक को दूसरी डोज लगायी जा चुकी है। लेकिन यह हमारे लिये चिंता की बात होनी चाहिए कि करीब चौंसठ फीसदी वयस्क आबादी को ही दोनों डोज लग पायी हैं। फिक्र यह भी कि केवल पचपन फीसदी युवा आबादी ने दोनों टीके लगवाए हैं। बहरहाल, हालिया चरण में करीब आठ से नौ करोड़ किशोर-किशोरियों को दोनों डोज लगायी जाएंगी। उन्हें भारत बायोटेक का कोवैक्सीन टीका दिया जायेगा। इस आयुवर्ग के किशोर कोविन वेबसाइट पर नामांकन दर्ज करा सकते हैं। पहले से बने परिवार के सदस्य के अकाउंट के जरिये भी टीकाकरण के लिये रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। इसके साथ ही टीकाकरण केंद्रों में भी किशोरवय पंजीकरण करवा सकते हैं। निस्संदेह, वयस्क आबादी के करीब इस आयुवर्ग को टीका दिया जाना सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आबादी संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील है। वहीं दूसरी डोज छह हफ्ते के अंतराल में दी जानी है।
उल्लेखनीय है कि कोवैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटेक के दो वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों पर किये गये ट्रायलों के नतीजे उत्साहवर्धक रहे थे जो आयु के हिसाब से तीन वर्गों में किये गये थे, जिसमें इंजेक्शन लगने से होने वाले दर्द के अलावा कोई गंभीर नकारात्मक प्रभाव देखने में नहीं आया। कंपनी का दावा है कि वैक्सीन को ऐसे बनाया गया है कि यह वयस्कों व बच्चों में बराबर प्रभावी है। यूं तो माना जाता है कि बच्चों की इम्यूनिटी आमतौर पर बेहतर होती है, लेकिन वे संक्रमण के वाहक हो सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद ऐसे अभिभावकों की कमी नहीं है जो बच्चों के टीकाकरण को लेकर संकोच कर रहे हैं। यह स्वाभाविक है, विगत में भी देश में बच्चों के टीकाकरण को लेकर ऐसी ऊहापोह की स्थिति देखी गई थी। बहरहाल, यह वैक्सीन उन किशोरों के लिये बेहद उपयोगी होगी, जो किसी प्रकार के गंभीर रोगों के शिकार हैं। साथ ही मोटापा आदि की समस्या से जूझ रहे हैं। हाल के दिनों में देश के बच्चों में मोटापा एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। वैसे देश के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब बारह से पंद्रह वर्ष के बच्चों को टीका लगाने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। कुछ समय बाद देश के पास बच्चों को नाक से दी जाने वाली वैक्सीन का भी विकल्प होगा क्योंकि बड़ी संख्या में बच्चे इंजेक्शन लगाने से घबराते हैं। वैसे तो अमेरिका, यूरोप व एशिया के कई मुल्कों में छोटे बच्चों को वैक्सीन देना शुरू हो चुका है और चीन ने इसे बीते साल ही पूरा कर लिया बताया जाता है। हालांकि हर देश की परिस्थिति के हिसाब से ऐसे निर्णय लिये जाते हैं। उल्लेखनीय है कि देश में जायडस कैडिला की वैक्सीन जायकोव-डी को भी बच्चों के इस्तेमाल के लिये मंजूरी मिल चुकी है, जिसके जल्द ही बाजार में उपयोग के लिये आने की उम्मीद है। बहरहाल, किशोरों को वैक्सीन की शुरुआत आश्वस्त करती है कि हम नये संक्रमण का कारगर ढंग से मुकाबला कर सकेंगे। साथ ही, देश की बाकी रह गई युवा आबादी को टीकाकरण के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

चीन का अनावश्यक कदम

चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने गत 30 दिसम्बर को घोषणा की है कि उसने अरुणाचल प्रदेश के 15 स्थानों के नामों को अपने अनुसार चीनी, तिब्बती और रोमन वर्णमाला में मानकीकृत किया है। भारत और चीन के पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों को देखते हुए चीन के इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाना चाहिए। चालबाज चीन की यह कार्रवाई बताती है कि अरुणाचल प्रदेश के भारतीय नामों को वह अपने आधिकारिक नक्शे में दिखा सकता है। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन की इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इससे जमीनी तथ्य नहीं बदल सकता। वास्तव में चीन ने पहली बार इस तरह की ओछी हरकत नहीं की है। उसने अप्रैल 2017 में अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया था। चीनी अधिकारियों ने तब छह स्थानों का पहला बैच जारी किया था। उसी समय दलाई लामा ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था। ऐसा माना जाता है कि प्रदेश का नाम बदलने की कार्रवाई दलाई लामा के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर चीन की विरोध प्रतिक्रिया थी। नाम बदलने की सूची इस बार पहले की तुलना में ज्यादा लंबी है, जिसमें आठ शहर, चार पर्वतग दो नदी और एक पहाड़ी दर्रा शामिल है। इस नई सूची में अरुणाचल प्रदेश के 25 में से 11 जिले शामिल हैं, जिनमें पश्चिम में तवांग से दिबांग घाटी और पूर्व में अंजॉ है। इस तरह चीन की मंशा पूरे अरुणाचल प्रदेश में चीनी दावे को पूरा करना है। हालांकि चीन का यह कदम मुख्यत: प्रतीकात्मक है और जैसा कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इससे जमीनी तथ्य नहीं बदल सकता, लेकिन चीन के इस प्रयास को सीमा विवाद के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। चीन अरुणाचल प्रदेश के नाम बदलने की कार्रवाई नये सीमा कानून के तहत कर रहा है जो इसी वर्ष 1 जनवरी से लागू हो गया है। चीनी अधिकारियों का मानना है कि यह कानून चीन की क्षेत्रीय अखंडता को रक्षा करने में सहायक होगा। भारत ने इस कानून को लेकर अपनी चिंता जाहिर की थी। वास्तव में इस समय चीन को संयम से काम लेने की जरूरत थी। ऐसे अनावश्यक कदम से स्थिति और बिगड़गी। सीमा पर पुराने समझौते को लेकर पारस्परिक संवदेनशीलता दर्शायी जानी चाहिए थी। चीन के इस कदम से दोनों देशों के बीच और अधिक शत्रुतापूर्ण माहौल बनेगा।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

शादियां राजनैतिक रैलियों में हो

चालू चैनल पर कोरोना पर हाल की डिबेट इस प्रकार है-
एंकर- कोरोना वायरस एमिक्रोन, नाम तो किसी इंगलिश पोयट का लगता है पर हरकतें कतई चाइनीज ही हैं। खैर, मसला यह है कि कोरोना को लेकर अब नये-नये प्रतिबंध लग गए हैं, इन पर बात करने के लिए हमारे साथ हैं आऊल दि एक्स्पर्ट, आप टीवी चैनलों के जाने माने एक्सपर्ट हैं।
एक्सपर्ट-देखिये बहुत टेकनीकल मैटर है। आप समझिये कि कोरोना वायरस की नाइट ड्यूटी लगी है कई जगहों पर रात ग्यारह से सुबह पांच तक कर्फ्यू लग गया यानी कोई नहीं जा सकता। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि कोरोना वायरस रात में ड्यूटी देता है, रात में टहलता है, तब किसी को बाहर ना निकलना चाहिए।
एंकर-यह कैसी बातें कर रहे हैं, एकदम उल्टी-पुल्टी।
एक्सपर्ट-कोरोना में सीधा हो क्या रहा है। आप देखिये कि कोरोना के बावजूद जबसे शराब की दुकानें खुलीं और कालेज तो अभी तक पूरे ना खुल पाए हैं। यानी कोरोना शराब फ्रेंडली शराबी फ्रेंडली है, पर कालेज स्टूडेंट्स का दुश्मन टाइप है।
एंकर-यह क्या बात हुई। आप तो एकदम उल्टी-पुल्टी बातें कर रहे हैं।
एक्सपर्ट-देखिये चुनावी रैलियों को भी कोरोना ने एक्जेंपशन दी हुई है छुट्टी दे दी। जाओ मौज करो यानी रैलियों पर प्रतिबंध ना है। पर कई जगह शादियों में 200 से ज्यादा के जमा होने पर प्रतिबंध है तो यह हो सकता है कि बंदा जाए और अपनी पसंद की राजनीतिक रैली में जाकर शादी कर ले ताकि बताने को यह रहे कि लाखों आए थे हमारी शादी में।
एंकर-राजनीतिक रैलियों में जाकर बंदा शादी कर ले, यह क्या बता रहे हैं आप।
एक्सपर्ट-बताया ना राजनैतिक रैलियों में ना जाता कोरोना वायरस, इसलिए राजनीतिक रैलियों में लाखों के आने की छूट है, पर शादियों में 200 से ऊपर जैसे ही बंदे जाते हैं कोरोना वायरस आ जाता है। कोरोना की गणित बहुत स्ट्रांग हैग वह गिनता रहता है एक से दो सौ जैसे ही दो सौ से ऊपर जाते हैं लोग एकदम से आ जाता है कोरोना। वायरस कहीं राज्यों में तो शादियों में बीस गिनकर ही आ जाता है।
एंकर बेहोश है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेल दृष्टि

सियाराम पांडेय 'शांत'

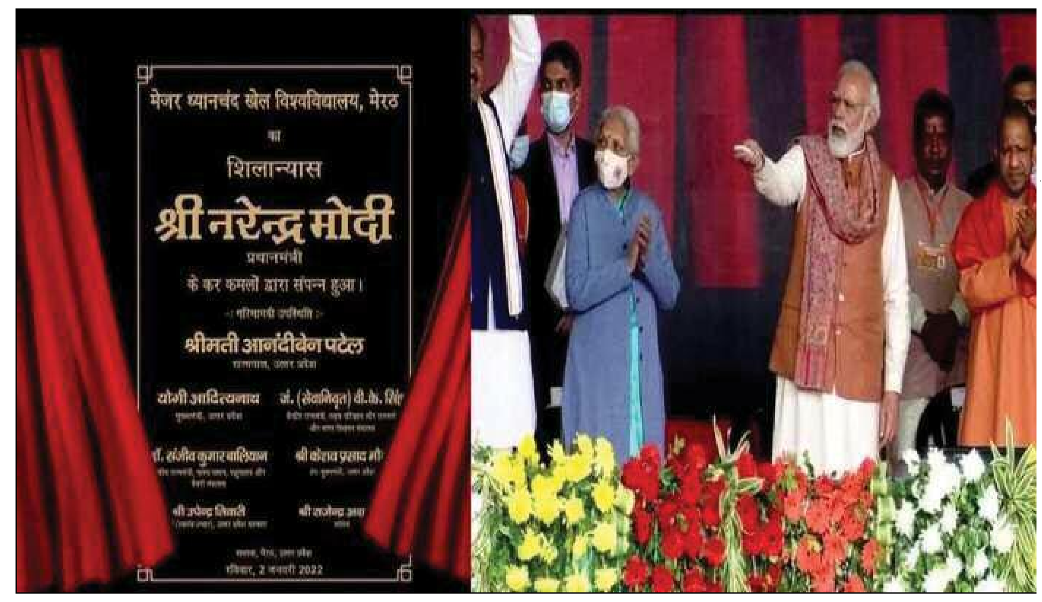

नववर्ष के दूसरे दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। खिलाड़ियों के लिए नए साल का इससे बेहतरीन और नायाब तोहफा भला और क्या हो सकता है? 91 एकड़ भूमि में 700 करोड़ की लागत से बनने वाले इस विश्वविद्यालय से न केवल देश को नई खेल प्रतिभाएं मिलेंगी बल्कि देश-दुनिया में मेरठ और उत्तर प्रदेश का नाम रौशन होगा। इससे उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति तो विकसित होगी ही, खेलों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। युवाओं की खेल प्रतिभा में निखार आएगा। खेल के अतिरिक्त कार्यक्रम बढ़ेंगे तो हर विधा के खिलाड़ी निकलेंगे। इससे देश में रोजी-रोजगार बढ़ेंगे और युवा वर्ग सकारात्मक रूप से राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में शामिल होगा। इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है।
इस यूनिवर्सिटी में हर साल 540 पुरुष और उतनी ही महिला खिलाड़ी खेल की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित हो सकेंगी। मतलब लैंगिक समानता का इससे बेहतर उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता। खेल में भी पीएचडी की सुविधा होगी। अधिकांश पारंपरिक भारतीय खेल जब विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे तो विश्व मंच पर भारतीय खेलों का प्रदर्शन किस स्तर का होगा, इसकी कल्पना मात्र से रोमांच हो उठता है।
गत वर्ष हमारे खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था लेकिन इतना भर हमारे लिए संतोषजनक नहीं था। पदक के मामले हम अमेरिका, चीन, रूस, जापान जैसे बड़े देशों ही नहीं, छोटे-छोटे देशों से भी पिछड़ गए थे। प्रधानमंत्री इस पीड़ा को बेहतर समझते हैं। यही वजह है कि उन्होंने देश में खेलो इंडिया अभियान शुरू कर रखा है। सभी सांसदों से उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में खेलों का आयोजन करने को कहा है ताकि युवाओं को खेल के प्रति उत्साहित किया जा सके। उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके।
खेल विश्वविद्यालय के शिलान्यास क्रम को कुछ लोग सियासी चश्मे से देख सकते हैं, उसे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने का तिकड़म करार दे सकते हैं लेकिन जब हम ओलंपिक की पदक तालिका में भारत का नाम निचले पायदान पर देखते हैं तो क्या यह इतनी बड़ी आबादी के लिए आत्ममंथन का सबब नहीं बनता। सोच ईमानदार हो तो काम भी दमदार होता है।

> “वह राजनीति ही क्या जिसमें पक्ष और विपक्ष का खेल न हो लेकिन उसमें लोकमंगल का भाव भी होना चाहिए। पक्ष और विपक्ष के अच्छे कामों को सराहने का साहस भी होना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र का वास्तविक अभीष्ठ भी है।”

मेजर ध्यानचंद को बहुत पहले सम्मान मिलना चाहिए था और वे उसके हकदार भी थे। माना कि वे गुलाम भारत के खिलाड़ी थे लेकिन आजादी के 7 दशक बाद तक भारतीय राजनीति ने इस होनहार खिलाड़ी को सम्मान देना मुनासिब नहीं समझा। जब ओलम्पिक में भारत की पूछ नहीं थी तब उन्होंने भारत के लिए ओलम्पिक पदक जीता था। 1928 में एम्सटर्डम, 1932 में लांस एंजेलिस और 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में इस हाकी के जादूगर ने स्वर्ण पदक जीता था। जिसके खेल का दीवाना हिटलर भी हुआ करता था, वह अपने ही देश में बेगाना कैसे हो गया, इस पर गहन आत्ममंथन किए जाने की जरूरत है। यह सच है कि मेजर ध्यानचंद से बड़े कद का खिलाड़ी भारतीय भूभाग पर दूसरा कोई नहीं है। इसके बाद भी इतने लंबे समय तक भारत में उनकी घोर उपेक्षा का कोई ठोस कारण समझ में नहीं आता। जिस देश में कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन तक में करोड़ों-अरबों का वारा-न्यारा हो जाता हो, वहां खिलाड़ियों के हित और सम्मान की चिंता कौन करेगा?
इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तीर से कई निशाने करते हैं। वे अपनी हर सभा से एक संदेश देते हैं। मुद्दा सेट करते हैं। उनकी मेरठ यात्रा भी इसकी अपवाद नहीं है। अमर शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर, पलटन देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर उन्होंने जहां सैनिकों का दिल जीता, वहीं ब्राह्मण समाज को भी इसी बहाने साधने का काम किया। चौधरी चरण सिंह को याद कर, उनकी प्रशंसा कर जयंत-अखिलेश की सियासी जोड़ी की जड़ में सियासी मट्ठा भी डाला। चरण सिंह के समर्थकों को यह संदेश दिया कि उनके नेता को प्रधानमंत्री कितना आदर देते हैं।
इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खेल के प्रति अनुराग जगजाहिर है। खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें और बेहतर खेलने के लिए प्रोत्साहित करने का काम वे करते ही रहते हैं लेकिन उन्हें पता है कि प्रशिक्षण का काम प्रशिक्षण से ही चलता है। पदक जीतकर खिलाड़ी अधिकारी तो बन जाते हैं लेकिन शैक्षणिक अनुभव के अभाव में वे वहां हीनता ग्रंथि के शिकार होते हैं। इसलिए भी खेल विश्वविद्यालय जरूरी है और कहना न होगा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर के बाद दूसरा खेल विश्वविद्यालय मेरठ को दिया है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है।
वैसे देखा जाए तो खेल जीवन का सहज स्वभाव है। जीवन भी एक नाटक है। जिसमें हर व्यक्ति अपने हिस्से का किरदार निभा रहा है। जीव जगत ही नहीं, प्रकृति भी अपना रोल अदा कर रही है। संस्कृति में अभिनय को क्रीड़ा कहा गया है। अंग्रेजी में नाटक प्ले होता है। इस असार संसार में सब खेल रहे हैं। दिक्कत तो तब होती है जब खेल में खेल होने लगता है। खेल में खेल भी अगर अनुशासित हो और समत्व बुद्धि के साथ किया जाए जिसमें मनोरंजन और कौतुक का भाव तो हो लेकिन स्वार्थ, भ्रष्टाचार और वैयक्तिकता न हो तो वह लोकमंगल का हेतु बनता है।
खेल सामूहिक ही अच्छा लगता है लेकिन समूह में खेलते हुए भी अपने हिस्से का प्रदर्शन तो अकेले ही करना पड़ता है। इस बात को जितनी जल्दी समझ लिया जाए, उतना ही अच्छा होगा। वह राजनीति ही क्या जिसमें पक्ष और विपक्ष का खेल न हो लेकिन उसमें लोकमंगल का भाव भी होना चाहिए। पक्ष और विपक्ष के अच्छे कामों को सराहने का साहस भी होना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र का वास्तविक अभीष्ठ भी है।

लुई ब्रेल

दृष्टि बाधित लोगों के मसीहा

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 6 नवम्बर 2018 को एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें प्रतिवर्ष 4 जनवरी को ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल के जन्मदिवस को उनके सम्मान में 'विश्व ब्रेल दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाए जाने की शुरुआत का उद्देश्य संचार के साधन के रूप में ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना, दृष्टि-बाधित लोगों को उनके अधिकार प्रदान करना तथा ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम, नेत्र रोगों की पहचान, रोकथाम और पुनर्वास विषय पर चर्चाएं होती हैं।
संयुक्त राष्ट्र के विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्वभर में करीब 39 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो देख नहीं सकते जबकि 253 मिलियन लोगों में कोई न कोई दृष्टि विकार है। इनमें से करीब 100 मिलियन लोगों को नजर की ऐसी कमजोरी अथवा विकलांगता है, जिसे रोका जा सकता था या उन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है।
संयुक्त राष्ट्र के अनुसार नेत्र विकार से पीड़ित लोगों के गरीबी और अभाव भरे जीवन से पीड़ित होने की संभावना ज्यादा होती है। नेत्र विकलांगता वाले व्यक्तियों को गरीबी, अनदेखी और हिंसा के बढ़े स्तरों का अनुभव करने की ज्यादा संभावना है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि कोरोना महामारी और उसके परिणामस्वरूप होने वाले तालाबंदी जैसे प्रभावों ने नेत्र विकारों वाले व्यक्तियों की चुनौतियों को बदतर बना दिया है, जिससे वे बहुत ज्यादा अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। महामारी ने आवश्यक जानकारी तथा सूचनाएं सुलभ साधनों में उपलब्ध कराने की महत्ता को उजागर किया है, जिनमें ब्रेल लिपि और सुनने वाले संसाधन शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेन्शन' में ब्रेल लिपि को संचार के एक साधन के रूप में उद्धृत किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन 'यूनेस्को' ने वर्ष 1949 में ब्रेल लिपि में एकरूपता लाने के उद्देश्य से समस्याओं पर ध्यान देने वाला एक सर्वेक्षण आगे बढ़ाने की पहल की थी।
ब्रेल लिपि नेत्र विकारों वाले व्यक्तियों और दृष्टि विकलांग लोगों के लिए पढ़ने और लिखने की स्पर्शनीय प्रणाली है, जिसकी खोज 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के कूपवरे में जन्मे लुई ब्रेल ने महज 15 वर्ष की आयु में की थी। ब्रेल लिपि कोई भाषा नहीं है बल्कि एक तरह का कोड है। यह ऐसी लिपि है, जिसे एक विशेष प्रकार के उभरे कागज पर लिखा जाता है और इसमें उभरे हुए बिन्दुओं की श्रृंखला पर उंगलियां रखकर या उन्हें उंगलियों से छूकर पढ़ा जाता है। ब्रेल लिपि को टाइपराइटर जैसी दिखने वाली एक मशीन 'ब्रेलराइटर' के जरिये लिखा जा सकता है या पेंसिल जैसी नुकीली चीज 'स्टायलस' और ब्रेल स्लेट 'पट्ट' का इस्तेमाल करके कागज पर बिन्दु उकेरकर लिखा जा सकता है। ब्रेल में उभरे हुए बिन्दुओं को 'सेल' के नाम से जाना जाता है। 1 से 6 बिन्दुओं की यह एक व्यवस्था या प्रणाली होती है, जिसमें बिन्दु अक्षर, संख्या और संगीत व गणितीय चिन्हों के संकेतकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लुई ब्रेल ने केवल तीन साल की उम्र में ही एक दुर्घटना के कारण अपनी दोनों आंखों की रोशनी खो दी थी। आंखें संक्रमित होने के कारण उनकी आंखों की दृष्टि पूरी तरह चली गई थी लेकिन दृष्टिहीनता के बावजूद उन्होंने न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया बल्कि छात्रवृत्ति पर 'रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ' चले गए।
1821 में फ्रांसीसी सेना के एक कैप्टन चार्ल्स बार्बियर लुई ब्रेल के स्कूल के दौरे पर आए थे, जिन्होंने सेना के लिए एक विशेष क्रिप्टोग्राफी लिपि का विकास किया था, जिसकी मदद से सैनिक रात के अंधेरे में भी संदेशों को पढ़ सकते हैं। चार्ल्स ने स्कूल में बच्चों के साथ 'नाइट राइटिंग' नामक यही तकनीक साझा की, जिसका उपयोग सैनिक दुश्मनों से बचने के लिए किया करते थे। इसके तहत वे उभरे हुए बिन्दुओं में गुप्त संदेशों का आदान-प्रदान करते थे किन्तु उनका यह कोड बहुत जटिल था।
ब्रेल ने इसी आइडिया के आधार पर अपनी लिपि पर कार्य शुरू किया और 'रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ' में अध्ययन के दौरान ही उन्होंने 1824 में अपनी लिपि को तैयार कर लिया, जो काफी सरल थी। इसी लिपि को ब्रेल लिपि के नाम से जाना गया और सरल लिपि की खोज के बाद दुनियाभर में नेत्रहीन या आंशिक रूप से नेत्रहीन लोगों की जिंदगी काफी हद तक आसान हो गई। अपने इसी आविष्कार के कारण लुई ब्रेल दुनियाभर में दृष्टिबाधित लोगों के लिए मसीहा बन गए।
ब्रेल लिपि के अंतर्गत उभरे हुए बिन्दुओं से एक कोड बनाया जाता है, जिसमें 6 बिन्दुओं की तीन पंक्तियां होती हैं और इन्हीं में इस पूरे सिस्टम का कोड छिपा होता है। चार्ल्स बार्बियर की शुरुआती कूट लिपि 12 बिन्दुओं पर आधारित थी, जिन्हें 66 की पंक्तियों में रखा जाता था। तब इसमें विराम, संख्या और गणितीय चिन्ह मौजूद नहीं थे। लुई ब्रेल ने इसमें सुधार करते हुए 12 की जगह 6 बिन्दुओं का उपयोग कर 64 अक्षर और चिह्न का आविष्कार किया, जिसमें उन्होंने विराम चिन्ह, संख्या और संगीत के नोटेशन लिखने के लिए भी जरूरी चिह्न उपलब्ध कराए।
ब्रेल ने हालांकि 1824 में पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने कार्य को प्रस्तुत किया था लेकिन ब्रेल लिपि प्रणाली को 1829 में पहली बार प्रकाशित कराया। उन्होंने एक प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं दी और अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय ब्रेल लिपि प्रणाली का विस्तार करने में बिताया। हालांकि जीते जी उनके काम को उचित सम्मान नहीं मिला और उनके निधन के 16 वर्ष बाद 1868 में ब्रेल लिपि को प्रामाणिक रूप से मान्यता मिली, जो आज दुनियाभर में मान्य है।
समय के साथ तकनीकी युग में ब्रेल लिपि में कुछ बदलाव होते रहे हैं और अब ब्रेल लिपि कम्प्यूटर तक भी पहुंच गई है। ब्रेल लिपि वाले ऐसे कम्प्यूटर में गोल व उभरे हुए बिन्दु होते हैं और कम्प्यूटरों में यह तकनीक उपलब्ध होने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब दृष्टिहीन व्यक्ति भी तकनीकी रूप से मजबूत हो रहे हैं। ब्रेल लिपि में अब बहुत सारी पुस्तकें निकलती हैं, यहां तक कि स्कूली बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तकों के अलावा रामायण, महाभारत जैसे ग्रंथ भी छपते हैं।
भारत सरकार द्वारा 4 जनवरी 2009 को लुई ब्रेल के जन्म को 200 वर्ष पूरे होने पर उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया था। 43 वर्ष की आयु में 6 जनवरी 1852 को लुई ब्रेल का निधन हो गया लेकिन उनकी खोजी ब्रेल लिपि ने आज विश्वभर में दृष्टिहीनों तथा आंशिक रूप से नेत्रहीनों की जिंदगी को बहुत आसान बना दिया है।
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मुद्दा

बांधों की सुरक्षा बेहद अहम

निर्मल यादव

जल पर आधारित जीव जगत के जीवन का संबंध चिरकालीन है। जल के बगैर हम सृष्टि के अस्तित्व की कल्पना तक नहीं कर सकते। यही वजह है कि विश्व की तमाम मानव सभ्ययताएं सदानीरा नदियों के ईदगिर्द ही फलीं-फूलीं। मानव सभ्यताओं की विकास यात्रा के क्रम में जैसे-जैसे पानी की मांग में वृद्धि होती गई, वैसे-वैसे जल संग्रह के उपाय व्यापक होते चले गए। बांध इन्हीं उपायों का व्यापकतम रूप है। बांधों के वजूद में आने के साथ ही नदियों के बहते हुए जल का संचय करने का चलन दुनिया भर में आरंभ हो गया।
बाढ़ की समस्या से निपटने और पानी सहेजने के मकसद से विश्व के तमाम देश प्राचीन काल से ही बांधों का निर्माण करते आए हैं। आधुनिक युग में सिंचाई व पेयजल आपूतत से संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने तथा पन-बिजली के उत्पादन के मद्देनजर दुनिया भर में हजारों की संख्या में बांधों का निर्माण हुआ। यदि बड़े बांधों की बात करें तो दुनिया भर में अब तक 50 हजार से ज्यादा बांध बनाए जा चुके हैं। इतिहास साक्षी है कि विश्व का सबसे प्राचीन मानव नितमत बांध 3000 ईसा पूर्व में तत्कालीन मेसोपोटामिया में बनाया गया। वहां पर बाकायदा बांधों की एक श्रृंखला बनाई गई थी। मेसोपोटामिया के अतिरिक्त मिस्र, रोम, श्रीलंका आदि देशों में भी ईसा पूर्व के कालखंड में बांध बनाए जाने के उल्लेख मिलते हैं। भारत में यहां चोल राजवंश द्वारा ग्रांड एनीकट नाम से जो बांध कावेरी नदी पर बनाया गया है, उसे भारत के प्राचीनतम बांध के रूप में स्वीकार किया जाता है। आंकड़ों की श्ष्टि से देखेंग तो बांधों के मामले में हम दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। पहले नंबर पर चीन तथा दूसरे पर अमेरिका है। बांधों के राष्ट्रीय रजिस्टर के अनुसार देश में 5334 छोटे-बड़े बांधों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 411 बांध निर्माणाधीन हैं। ॥ देश की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत के बांध सालाना लगभग 300 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का भंडारण करते हैं, लेकिन ये बांध लगातार पुराने हो रहे हैं। लगभग 80 फीसद बांधों की उम्र 25 वर्ष से अधिक हो चुकी है। मजे की बात तो यह है कि भारत में 227 बांधों की आयु 100 साल से ज्यादा हो चुकी है। देश में राष्ट्रीय महत्व वाले बांध की संख्या 65 है। इनमें से 11 निर्माणाधीन हैं। राष्ट्रीय महद्मव के बांधों की श्रेणी में ऐसे बांधों को शामिल किया जाता है, जिनकी उंचाई 100 मीटर से अधिक हो या बांध की स्टोरेज क्षमता एक बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक हो। भारत में जो कुल बांध हैंग उनमें से 92 परसेंट ऐसे हैं जो इंटर स्टेट रिवर बेसिन क्षेत्र में स्थित नदियों पर बने हुए हैं।

महद्मवपूर्ण यह भी है कि बांधों की सुरक्षा एक अंतरराज्यीय विषय है। ऐसे में यह बड़ा जरूरी था कि बांधों की सुरक्षा को लेकर पूरे देश का एक कानून सम्मत 'कॉमन प्रोटोकॉल' बनाया जाए। इस श्ष्टि से 'बांध सुरक्षा विधेयक' को संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति मिलना बेहद महद्मवपूर्ण है। सही मायनों में बांध सुरक्षा की दिशा में केंद्र सरकार का यह कदम बेहद सार्थक है। यह एक मील का पत्थर साबित होगा। देश में बांधों की विफलता या क्षतिग्रस्त होने की घटनाओं में 15 हजार से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी हैग लेकिन कालांतर में इन घटनाओं से सबक नहीं लिया गया। इंसानी जिंदगी के लिए खतरा बनने वाले ऐसे हादसों से सबक लेने के बजाय विभिन्न राज्य एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोपने में मशगूल रहे। बांध सुरक्षा विधेयक 2019 पर लोक सभा ने 2 अगस्त 2019 को मुहर लगाई थी, जिसके ठीक दो साल बाद 2 अगस्त, 2021 को इसे राज्य सभा ने भी पारित कर दिया। अब अधिनियम और नियम बनने के साथ ही देश में बांध सुरक्षा का पूरा स्ट्रक्चर खड़ा होगा।
दोनों सदनों में कानून पर मुहर लगने के दौरान देश में बांधों के क्षतिग्रस्त होने की घटनाए 41 से बढ़कर 42 हो गई। जिम्मेदारी और जवाबदेही अभी तक के संगठन स्ट्रक्चर में नहीं है, जिसकी वजह से आंध्र प्रदेश के अन्नामाया बांध जैसे हादसे की आशंका पर अंकुश लगाने में दिक्कतें आती रही हैं। अभी तक बांध सुरक्षा को लेकर देश में राष्ट्रीय स्तर पर दो संस्थाएं काम करती हैं 'नेशनल कमेटी ऑन डैम सेफ्टी' और केंद्रीय जल आयोग का 'डैम सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन'। ठीक इसी तरह राज्यों में भी दो स्तरीय व्यवस्था अपनाई गई हैग लेकिन यह चारों संस्थाएं महज सलाहकारी भूमिका में काम करती है। इन्हें किसी भी तरह की संवैधानिक शक्ति प्राप्त नहीं है।
इसलिए राज्यों के स्तर पर गम्भीरता से इस महद्मवपूर्ण विषय पर काम नहीं हो पाता है। वर्तमान विधेयक में भी इन्हीं दो स्तरीय व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। इस दो स्तरीय व्यवस्था में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा समिति और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण बनेगा। समिति एक तकनीकी निकाय है। वह एक थिंक टैंक के रूप में काम करेगी, जिसमें राज्यों के सदस्य होंगेग केंद्र सरकार के प्रतिनिधि होंगे और इस विषय के विशेषज्ञ भी होंगे। सार संक्षेप में ये कहना लाजिमी होगा कि लागू होने वाली नई व्यवस्था को पूरी संजीदगी से जमीन पर उतारना होगा। तब ही अपने हित के लिए बनाए गए बांधों से जुड़े कुदरत के भारी नुकसान के खतरे से महफूज रहा जा सकेगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बाबा तिवारी के समर्थन में भुइंपारा एवं तन्दरिया(रैपुरा) प्रधान समर्थकों के साथ बसपा में शामिल

संवाददाता

मेजा - प्रयागराज। क्रांतिकारी नेता बाबा तिवारी जी को बहुजन समाज पार्टी से पार्टी प्रत्याशी घोषित होने के बाद क्षेत्र में प्रतिदिन बहुजन समाज पार्टी का कुनबा बढ़ता जा रहा है और लोगों में एक नया उत्साह और जोश देखने को मिल रहा है। आज तंदरिया में आयोजित एक चौपाल में भुइँपारा प्रधान गुड्डू यादव एवं तंदरिया प्रधान रूपेश निषाद अपने समर्थकों के साथ बाबा तिवारी जी के नेतृत्व एवं समर्थन में बसपा में सम्मिलित हुए। बाबा तिवारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा

कि मैंने सदैव आम लोगों की समस्याओं की लड़ाई लड़ी है और जाति बिरादरी से ऊपर उठकर लोगों की सेवा की है इस बार मेजा विधानसभा के पास सुनहरा मौका है अपने क्षेत्र का, अपने बीच के बेटे को अपना नुमाइंदा बनाकर लखनऊ की पंचायत में भेजने का।

इस अवसर पर पूर्व प्रधान प्रतिनिधि अमिलिया कलां लबलू तिवारी, मुन्ना भारतीया, भोला भारतीया, सूरज शुक्ल सत्या, विनायक शुक्ल, रितेश तिवारी, नीलेश तिवारी समेत सैकड़ो की संख्या में बुजुर्ग, नवजवान एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

बस्ती में अजगर दिखने से ग्रामीणों में हड़कंप

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज । मेजा थाना सिरसा चौकी अंतर्गत नगर पंचायत सिरसा (हनुमान पर) मे बस्ती के बगल अजगर मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जैसे ही ग्रामीणों और राहगीरों में अजगर दिखने की चर्चा तेज हुई तो देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सुचना पर वन विभाग की टीम ,लालचंद यादव वन दरोगा, अनुपम पांडेय बीट प्रभारी उरुवा, रामबाबू कुशवाहा, भास्कर श्रीवास्तव सहित वन

विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर अजगर को पकड़ लिया। जहां 15 से 20 किलो वजन के विशालकाय अजगर को पकड़ने मे वनकर्मियों के पसीने छूट गए। उनके द्वारा जैसे ही हाथों से अजगर की पूंछ को पकड़ा गया अजगर अपनी तरफ खींचने लगा। जिसमें कड़ी मशक्कत के साथ अजगर को थैली में भरा गया। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने अजगर को अपने कब्जे में लेकर चली गई।

कई आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता

स्योहारा। स्योहारा पुलिस ने आज कई आरोपियों को पकड़ कर जेल भेजा है,जिसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष आशीष तोमर ने बताया कि मुकदमा अपराध संख्या 6 बटा 21 धारा तीन बटे 25 बनाम वसीम अहमद पुत्र मतीन मतीन अहमद मोहल्ला हकीमपुरा कस्बा सहसपुर थाना स्योहारा नंबर दो मुकदमा अपराध संख्या 7/22.धारा तीन बटे 25 बनाम नासिर पुत्र इस्लाम शाह मोहल्ला सराय कला थाना स्योहारा जनपद बिजनौर नंबर अपराध संख्या 9 बटा 21 धारा तीन बटे 25 आर्म्स एक्ट बनाम नदीम अहमद पुत्र मोहम्मद प्राइम मौला हकीमपुरा थाना स्योहारा जनपद बिजनौर को एक/. एक/तमंचे के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय बिजनौर भेजा गया।

मानदेय दिलाने की मांग हेतु मदरसा शिक्षको ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक नईमुल हसन को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

स्योहरा। मदरसा शिक्षको को पिछले 57 माह से केन्द्रांश (मानदेय) ना मिलने के कारण अखिल भारतीय मदरसा आधुनिकरण शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष कमरूद्दीन सहित अन्य मदरसा शिक्षको ने एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम विधायक नईमुल हसन को उनके निवास पर मुलाकात करते हुये सौंपा !

इस अवसर पर अध्यक्ष कमरूद्दीन ने बताया कि मदरसा आधुनिकरण योजना के अन्तगर्त उत्तर प्रदेश के 21546 मदरसा शिक्षको को पिछले 57 माह से शिक्षा मंत्रालय व अल्पसंख्यक मंत्रालय से

प्राप्त होने वाला केन्द्रांश (मानदेय) नही मिल पाया है जिससे शिक्षको के परिवार भुखमरी के हालात से गुजर रहे है ओर शिक्षको का भविष्य अंधकार मय है

इस अवसर पर ब्लाक महासचिव तनवीर चौधरी ने भी विधायक जी से शिक्षको की समस्या रखी ओर समाजवादी के घोषणा पत्र मे मदरसा शिक्षको को नियामित करने ओर बकाया मानदेय की समस्या के हल को शामिल कराने की मांग रखी! विधायक हाजी नईमुलहसन ने शिक्षको की समस्या को मुख्यमंत्री तक पहुचानें एंव सपा के घोषणा पत्र मे शामिल कराने का आश्वासन दिया ! इस अवसर पर शिक्षक कमरूद्दीन, तनवीर अहमद , नफीस अहमद, उबैदुरहमान, नफीस अहमद, मैराजुहक, रिजवान, अनवार अहमद, मौ0 जाबिर मौ0 फारूख आदि मौजूद रहे !

धरमपुर में चकमार्ग की पैमाइश नहीं होने से इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण अवरुद्ध

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। उपजिलाधिकारी मेजा के आदेश का नहीं हो रहा अमल सूबे की योगी सरकार की विकास योजनाएँ राजस्व कर्मियों की लापरवाही के चलते दम तोड़ रही हैं। ऐसा ही एक प्रकरण विकास क्षेत्र उरुवा के धरमपुर ग्राम पंचायत का है, जहाँ पर चकमार्ग की पैमाइश नहीं होने से इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण अवरुद्ध है। बीडीसी शिव कमलेश बिन्द ने बताया कि उनके द्वारा स्वयं तथा धरमपुर ग्राम पंचायत की प्रधान रेखा देवी द्वारा चकमार्ग संख्या-70, जो धरमपुर के कैलाशी का पूरा मजरा में स्थित है, की पैमाइश और सीमांकन के लिये

लेखपाल, कानूनगो की उदासीनता से विकास कार्य ठप

उपजिलाधिकारी मेजा को कई प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसके सापेक्ष एसडीएम द्वारा राजस्व निरीक्षक शुक्लपुर और हल्का लेखपाल जेवनियाँ को उक्त चकमार्ग की पैमाइश व सीमांकन के लिए कई आदेश जारी किये हैं लेकिन मातहतों द्वारा अभी तक अमल नहीं किया गया है।

बता दें कि धरमपुर में दमरी का पूरा और कैलाशी का पूरा दो ऐसे मजरे हैं, जहाँ केवल पिछड़ी जाति के लोग रहते हैं। आज तक ये दोनों मजरे मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाये हैं। इसी मजरे में बीडीसी का घर भी है। ये मजरे अभी तक विकास कार्य से अछूते हैं। आवागमन के लिये पक्के रास्ते का अभाव है। वर्तमान प्रधान से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। प्रधान और बीडीसी ने मिलकर समस्या को प्रमुख, क्षेत्र पंचायत उरुवा के समक्ष रखी, जिसके चलते क्षेत्र पंचायत निधि से लगभग 225मीटर इण्टरलाकिंग रोड कैलाशी का पूरा मजरा धरमपुर के लिये स्वीकृत हुआ है। लेकिन क्षेत्रीय कानूनगो राजकुमार सोनकर और लेखपाल ताहिर हुसैन की उदासीनता के चलते अभी तक चकमार्ग की पैमाइश और सीमांकन नहीं हो सका जिसके चलते अबतक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण शुरु नहीं किया जा सका है। इससे ग्रामीणों में तहसील प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी है।

महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं को लेकर है गंभीर- कुमुद श्रीवास्तव

जलालाबाद। ब्लॉक सभागार जलालाबाद में बुधवार को में महिला उत्पीड़न मामलों की सुनवाई. व निस्तारण करने पहुंची यूपी महिला आयोग की सदस्य कुमुद श्रीवास्तव ने कहा, हमारी सरकार में कम हुए हैं यूपी में महिला उत्पीड़न के मामले.कुमुद श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं को लेकर है गंभीर. यूपी महिला आयोग की सदस्य कुमुद श्रीवास्तव ने कहा कि पिछली सरकारों में महिला उत्पीड़न के मामले आए दिन समाचार पत्रों के फ्रंट पेज पर छपे मिल जाते थे, लेकिन हमारी सरकार में ऐसा नहीं है. हमारी सरकार में महिला उत्पीड़न के मामले कम हुए हैं.

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने, महिला उत्पीड़न रोकथाम और निस्तारण के मकसद से कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को कुमुद श्रीवास्तव ने सुना और संबंधित थाना प्रभारियों से बात करके निस्तारण का निर्देश दीया राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनवाई के दौरान कुल 10 मामले प्राप्त हुए, जिसे लेकर सम्बंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए. कुमुद श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य महिला आयोग महिलाओं के मामलों को लेकर खासा गंभीर है. आयोग के सदस्य हर जिले में जाकर महिलाओं को जागरूक करने में लगे हैं. उन्होंने बताया कि आयोग के पास सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा के आ रहे हैं. इसके पीछे महिलाओं का साक्षर न होना है, लेकिन अब महिलाएं जागरूक हो रही हैं. इस दौरान छिबरामऊ निवासी मुस्कान नाम की एक अनाथ बच्ची ने अपनी शिक्षा के लिए कुमुद श्रीवास्तव से कहां तो उन्होंने तत्काल उस की शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रबंध कराने के निर्देश दिए इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती नितिका राजन ने कानून के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत कमजोर, असहाय लोगों का निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रोबेशन अधिकारी इरा आर्य ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि सकारात्मक रहते हुए खुद को मजबूत बनाये। तत्पश्चात मा0 सदस्य राज्य महिला आयोग श्रीमती कुमुद श्रीवास्तव द्वारा जिला जेल अनौगी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला बन्दियों से बात-चीत की एवं उनके खाने-पीने के बारे मे जानकारी प्राप्त की।

उन्होने जेल के अधिकारियों को निर्देश दिये कि समय पर खाने-पीने, साफ-सफाई कराते रहें एवं महिला बन्दियों को संचालित योजनाओं में प्रशिक्षण भी दिलाया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुश्री गरिमा सिंह,क्षेत्राधिकारी डॉ प्रियंका बाजपेयी,जिला प्रोबेशन अधिकारी सुश्री इरा आर्य,प्रभारी निरीक्षक गुरसहायगंज राजकुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी सरला सिंह प्रभारी महिला थाना सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तूफान आने से पहले जाग जाएं जिलाधिकारी, टीकाकरण में करे सहयोग

सौरिख कन्नौज ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्य, पंचायत सचिव, लेखपालो के साथ जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने आज दोपहर 12रू00 बजे एक बैठक की जिसमें आने वाले नए कोरोनावायरस के संभावित खतरे को देखते हुए सभी से जागरूक होकर इस महामारी का सामना करने के लिए सभी से सामूहिक अपील की है कहा की ब्लॉक सौरिख ने पिछले टीकाकरण जो बड़े चढ़कर सहयोग किया उसके लिए यहां के सभी लोग बधाई के पात्र हैं क्योंकि उनके सहयोग से ही ब्लॉक जिले में नंबर वन रहा पिछले दौर में जो लोग छूट गए हैं उनका 100: टीकाकरण करवाएं एवं 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों में टीका लगवाने में सहयोग करें इस बार अभी तक जो जांच हुई है उन से पता चला है कि यह वायरस बच्चों में जल्दी प्रभाव डालता है इसलिए सभी प्रधान ,सदस्य ,आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आदि इस नेक काम में विशेष सहयोग करें बाहर से आने-जाने बालों पर कड़ी

नजर रखें तत्काल उनकी जांच कराएं पहले सुविधाओं का अभाव था आज हम वायरस का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम है जिले में चार ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा चुके हैं जिनमें 2000 लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट उत्पादन हो रहा है हमें कहीं बाहर से मंगाने की जरूरत नहीं है दवाओं का उपयुक्त भंडार है उन्होंने चुनाव को मद्देनजर रखते हुए कहा कि पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर शौचालय ,बिजली, पानी, आज की जांच कर कहीं कोई कमी है तो उसे ठीक कर ले छुट्टा मवेशी के संबंध में उन्होंने कहा की की गायों की सेवा के लिए लोगों को आगे आने की जरूरत है जो लोग गाय पालने के इच्छुक हैं वह गौशालाओं से 1रू00 से 4रू00 तक गाय लेकर प्रतिमाह प्रति गाय ?900 के साथ से हम से अनुदान भी ले सकते हैं जो लोग सक्षम है वह पशुओं के लिए दाना और चारे में हमारा सहयोग करें इस मौके पर प्रमुख रूप से सीडीपीओ जितेंद्र मिश्रा, वीडियो अखिलेश तिवारी, प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय प्रताप सिंह, अवनीश सिंह, अखिलेश सिंह चौहान, डिंपल सिंह, रघुराज सिंह, सत्येंद्र सिंह, बिनेश पाल, अवध नारायण पांडे, विनोद गौतम, मौजूद ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य सचिव लेखपाल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे

टाबर पर अराजक तत्वों ने की मारपीट व आगजनी

टाबर पर काम करने को लेकर गांव के ही दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट

सौरिख कन्नौज। नादेमउ चौकी के अंतर्गत मिर्जापुर गांव मैं लगे टावर पर कब्जा व काम करने को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट आगजनी मौके पर पहुंचे टावर कंपनी के अधिकारी व पुलिस जांच पड़ताल में जुटी नादेमउ क्षेत्र के गांव मिर्जापुर में कई वर्षों से टावर लगा हुआ है जिस पर गांव का ही युवक नौकरी करता है बीती रात गांव के ही दूसरे पक्ष में टावर पर कब्जा करने के उद्देश्य से आग लगा दी आग लगने से टावर की केबिले जनरेटर आदि चीजें जल गई जिससे लाखों का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है वहीं आग लगाने का विरोध करने पर जमकर हुई मारपीट जिसकी सूचना पर पहुंचे टावर के अधिकारी चौकी पुलिस जांच पड़ताल में जुटी खबर लिखे जाने तक अभी तहरीर नहीं दी गई।

युवक ने गुमशुदगी की दी तहरीर

सौरिख कन्नौज। प्रार्थी ने भाई की गुमशुदगी की तहरीर देते हुए बताया 3 जनवरी को भाई शाम 4रू00 बजे तिर्वा से सौरिख आया था लेकिन दूसरे दिन भी वापस नहीं पहुंचा काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चल सका तिर्वा थाना क्षेत्र के सरैया सखैली निवासी श्याम बेदी पुत्र गेंदन लाल ने प्रार्थना पत्र देते हुए बताया 3 जनवरी को प्रार्थी का भतीजा आशीष पुत्र चंदगी राम सौरिख किसी काम से आया हुआ था शाम तक वापस ना पहुंचने पर सुबह परिजनों ने खोजबीन की रिश्तेदारी में भी पता किया जब कोई पता नहीं चला प्रार्थी के गांव सखौली निवासी कुछ अज्ञात लोगों पर शक के चलते प्रार्थी ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की इस प्रकरण में पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है वही एसओजी टीम ने एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है

विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का किया गया अयोजन

विद्यालय के बच्चों ने प्रतियोगिता में किया प्रतिभाग

सौरिख कन्नौज। विद्यालय में आयोजित की गई खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी ने फीता काटकर किया वही खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कस्बे के आजाद नगर में स्थित मदरसा अशरफ उल उलूम में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसका शुभारंभ फीता काटकर किया प्रतियोगिता में कबड्डी खो खो सहित कई खेलों का आयोजन किया गया था प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान, विद्यालय के प्रबंधक मुशर्रत उर्फ भूरा,फितरत अली ,सुकेंद्र सिंह, जुनै आलम, बदरूल हसन,कुमारी प्रिया वर्षा ,किरण, शना, बीना सहित विद्यालय के अध्यापक व बच्चे रहे मौजूद।

विपिन रावत यूथ कांग्रेस जिला सचिव बने

बाराबंकी। पूर्व सांसद पी एल पुनिया के आवास पहुंचे कांग्रेस पार्टी के जुझारू सदस्य विपिन रावत को जिला अध्यक्ष यूथ कांग्रेस सै. सिकंदर अब्बास रिजवी के नेतृत्व में मनोनय पत्र सौप कर जिला सचिव पद ग्रहण कराया गया। मनोनाय पत्र प्राप्त होने के साथ ही जिला सचिव विपिन रावत ने अपने संबोधन में बताया की कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी सम्पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करेंगे साथ ही जिला अध्यक्ष यूथ कांग्रेस के हाथो को मजबूत बनाने में अपना समूर्ण योगदान अर्पित करेंगे। इस मौके पर प्रमुख रूप से मौलाना वसीम साहब, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सरजू शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, जिला उपाध्यक्ष तरूण चावला, युवा नेत मो तलहा, फ रहान किदवई, बंकी ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

समाजसेविका के निधन से शोक व्याप्त

उरई (जालौन) रोडवेज कर्मचारी संघ के मंडलीय पदाधिकारी रहे स्व महेंद्र सिंह व एमपीडीसी महाविद्यालय कोंच की प्रबंध समिति के मंत्री रहे स्व सुरेन्द्र सिंह व अनिल निरंजन की 93 वर्षीया समाजसेविका माँ किशोरी देवी का मंगलवार की देर रात निधन हो जाने पर क्षेत्र में शोक व्याप्त हुआ ।किशोरी देवी का अंतिम संस्कार उनके ग्रह ग्राम तीतरा में किया गया ।शिक्षक पुत्र अमरेंद्र सिंह निरंजन ने चिता को मुखाग्नि दी ।इस मौके पर क्षेत्र के हजारों लोग मौजूद रहे ।वहीं महेंद्र सुरेन्द्र दयाशंकर महाविद्यालय तीतरा में प्राचार्य डॉ भंवर सिंह की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय प्रबंधसमिति की अध्यक्ष मीरा देवी व सदस्य विनीता देवी की सास किशोरी देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया ।इस दौरान मनोज निरंजन, दिनेश कुमार, राजेश कुमार, हरीमोहन, अंशुल आदि मौजूद रहे।

सभी के सहयोग से एक बार फिर कोरोना की लड़ाई लड़ने के लिए हम तैयार- डी.एम

कन्नौज ।कोरोना की लड़ाई हेतु हम तैयार है,आप सभी का सहयोग अपेक्षित।गौशालाओं की स्थिति हम सभी के आपसी सहयोग से सुधरेगी। दो गज की दूरी, मास्क एवं सेनेटाइजर का प्रयोग आवश्यक रूप से प्रारंभ करें। सतर्कता ही बचाव है। आवारा पशुओं की सूचना दें। ग्राम में बैठक कर सभी को कोविड संक्रमण से बचने हेतु सतर्क करें। उक्त निर्देश आज जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र एवं मुख्य विकास अधिकारी आर0एन0सिंह द्वारा विकास खण्ड सौरिख एवं तहसील सभागार छिबरामऊ में ग्राम प्रधानों एवं ग्राम सचिवों के साथ आयोजित चौपाल के माध्यम से दिए। उन्होंने सभी को आगामी कोविड के स्वरूप ओमिक्रोन कि संभावित तीसरी लहार से बचाव हेतु अभी से सतर्क रहने एवं दो गज की दूरी, मास्क एवं सेनेटाइजर का प्रयोग आवश्यक रूप से किये जाने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि इस वायरस से बचाव मात्र सतर्कता है इसलिए सतर्क रहकर सभी को इससे बचाव हेतु प्रेरित भी करें। उन्होंने कहा कि जनपद में लगभग 95 प्रतिशत जनता को कोविड का प्रथम टीका लग चुका है एवं लगभग 67 प्रतिशत व्यक्तियों को दूसरा टीका लग चुका है, जिसको दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने सभी को सचेत किया कि ग्राम में सार्वजनिक बैठक कर सभी को आगामी कोविड के नए स्वरूप ओमिक्रान से बचाव हेतु जागरूक करें कि इससे बचाव हेतु मात्र ष्पूर्ण टीकाकरण एवं दो गज की दूरी, मास्क एवं सेनेटाइजर का प्रयोग ही उपाय है।ष्उन्होंने सभी को जागरूक किया कि जनपद में ऑक्सीजन सप्लाई हेतु पर्याप्त मात्रा में प्रतिपूर्ति हेतु 05 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हैं, एवं पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर एवं अपरिहार्य स्थिति से निपटने हेतु जम्बो ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्द्ध हैं। उन्होंने कहा कि ष्कोरोना की लड़ाई हेतु हम तैयार है,आप सभी का सहयोग अपेक्षित हैष। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही सभी ग्राम प्रधानों को आपातकालीन स्थिति हेतु कोविड से बचाव हेति मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होनें ग्राम पंचायतों में रहने वाले गौवंशों के संबंध में सभी को बताया कि गौवंशों का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है एवं उनकव संरक्षित करना हमारा धर्म। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घरेलू पशुओं की देख रेख रखते हैं उसी प्रकार हमें अपने क्षेत्रों की गौशालाओं में पल रहे पशुओंध्गौवंशों हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं को देख कर उनकी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामों में गौवंशों को बाहर छोड़ दिया जाता है उनको बाहर न छोड़ कर गौशालाओं में छोड़ दें एवं दुधारू पशुओं को को ग्रामीण गोद लेने हेतु इच्छुक है वह गोद भी ले सकते हैं एवं इस हेतु उनको 900 रुपये उनके भरण पोषण हेतु भी दिया होगा। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं की जानकारी संबंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं पशुचिकित्सक को बताएं, जिससे उनकव गौशालाओं में भेज कर आवारा पशुओं से होने वाली परेशानी एवं फसल बर्बाद से कृषकों को बचाया जा सके। इसी क्रम में उन्होंने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत संदेश दिया कि सभी कोविड संक्रमण से बचाव हेतु पूर्ण सतर्कता बर्तते हुए भीड़ से बचें एवं शत प्रतिशत मतदान हेतु सभी को प्रेरित कर एवं मतदान प्रतिशत बढ़ाकर जनपद का नाम प्रदेश में रोशन करें। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा भी कोविड प्रबंधन एवं गौशालाओं के संरक्षण हेतु आवश्यक सुझाव व निर्देश दिए। इससे पूर्व जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड सौरिख के अंतर्गत गरीब महिलाओं व जरूरतमंदों को कंबल वितरण भी किया। इस दौरान उपजिलाधिकारी छिबरामऊ, तहसीलदार छिबरामऊ, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, संबंधित खण्ड विकास अधिकारी सहित संबंधित ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव उपस्थित थे।

घूरे के विवाद को लेकर महिलाओं में जमकर चले लात और घूंसे

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

संवाददाता

रायबरेली, खीरो। मर्दों के दबंगई व मारपीट के किस्से तो आम तौर पर देखे जाते हैं पर जब महिलाओं की दबंगई की बात आती है तो लोगों को हैरान कर देती है। ऐसा ही कुछ महिलाओं की दबंगई से जुड़ा मामला थाना खीरों क्षेत्र के ग्राम बरौंडी से प्रकाश में आया है। जहा से एक वीडियो सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ महिलाएं एक महिला को बुरी तरह से मार पीट रही है ।जिसकी शिकायत थाना खीरों पर की गई पर पीड़िता के अनुसार पुलिस ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की। मामला 3 जनवरी का है गांव की ही शिवानी पत्नी विनोद व माया पत्नी रामसेवक ने सोनी पत्नी निजाम की लाल घूंसे से जमकर पिटाई करती हुई देखी जा रही है। सोनी ने बताया जब उसे मारा पीटा जा रहा था तो पड़ोस की एक महिला उसे बचाने आई तो उसे भी मारा पीटा गया जिसकी शिकायत लेकर वह खीर उठाने गई पर वहां पर सुनवाई ना करते हुए उसे भगा दिया गया।

आमिर की बेटी आइरा ने बॉयफ्रेंड की शेयर कर दी ऐसी फोटो, देखते रह गए लोग

आमिर खान की लाडली आइरा खान ने हाल ही में इंस्टा स्टोरी पर एक ऐसी फोटो शेयर कर दी कि लोग सोशल मीडिया पर तारीफों के पुल बांधने लगे हैं.

आमिर खान की बेटी आइरा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. आइरा अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट्स अक्सर इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे की तस्वीर इंस्टा स्टोरी पर लगाई, जिसे देख लोग हैरान हो रहे हैं. इस फोटो में नुपुर ने अपना ट्रांसफॉर्मेशन दिखाया है.

नुपुर और आइरा का रिश्ता

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले अभिनेता आमिर खान की बेटी आइरा खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. आइरा की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है और फैन्स उन्हें काफी पसंद करते हैं. आइरा अपनी लव लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं और उन्होंने इसे किसी से भी छिपाया नहीं है. आइरा खान, नुपुर शिखरे के साथ रिलेशनशिप में हैं और अक्सर उनके लिए सोशल मीडिया पर अपना प्यार जाहिर करती रहती हैं. वहीं इस बीच आइरा ने नुपुर शिखरे के फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की एक तस्वीर शेयर की है. जो तेजी से वायरल हो रही है.

आइरा की इंस्टा स्टोरी

आइरा ने कुछ ही देर पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर नुपुर के इंस्टाग्राम पोस्ट को शेयर किया है. वहीं बात नुपुर के पोस्ट की करें तो उस में दो फोटोज का कोलाज है. दोनों तस्वीरों में एक महीने का फर्क है, जहां नुपुर का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन नजर आ रहा है. सोशल मीडिया यूजर्स इस पोस्ट को पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में खूब तारीफें कर रहे हैं.

नुपुर का पोस्ट

नुपुर ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, फास्टिंग के पहले और फास्टिंग के बाद सहित सही फूड. दोनों तस्वीरों में करीब एक महीने का फर्क है. बता दें कि नुपुर एक फिटनेस कोच हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी फिटनेस से जुड़ी तस्वीरें शेयर करते हैं. कुछ ही दिनों पहले वो एक तस्वीर में अपनी बाइसेप्स फ्लॉन्ट करते दिख रहे थे.

अजय देवगन की साली ने गुपचुप तरीके से कर ली शादी? तस्वीर हो रही वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी सिल्वर स्क्रीन से भले ही दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. वह अक्सर बोल्ड फोटोज शेयर कर तहलका मचा देती हैं. अब तनीषा ने अपनी एक ऐसी फोटो पोस्ट की है, जिससे उनकी शादीशुदा होने की चर्चा शुरू हो गई है. आइए बताते हैं कि आखिर माजरा क्या है.

तनीषा मुखर्जी ने कर ली शादी?

तनीषा ने इस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं. इसमें एक फोटो उनके पैरों की है, जिसमें उन्होंने बिछिया पहनी है. दरअसल, ज्यादातर महिलाएं शादी के बाद ही पैरों की उंगलियों में बिछिया पहनती हैं. तनीषा के पैरों की उंगलियों में भी बिछिया नजर आ रही हैं. अब इसे लेकर यूजर्स सवाल करने लगे हैं कि क्या उन्होंने गुपचुप शादी कर ली है?

यूजर्स ने पूछे ऐसे सवाल

एक यूजर ने लिखा, क्या आप शादीशुदा है. आपने बिछिया क्यों पहनी हैं? कई यूजर्स इस तरह के सवाल कमेंट सेक्शन में उनसे पूछ रहे हैं. वहीं, कुछ लोग उनके पैरों की तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, कुछ दिनों पहले मीरा राजपूत को उनके पैरों को लेकर ट्रोल किया गया था. ऐसे में पैरों की तस्वीर शेयर करना आपको साहसी साबित करता है. दूसरे यूजर ने कमेंट किया, आपके पैर बहुत सुंदर हैं. किसी ने लिखा, खूबसूरत पैर आपकी तरह सिंपल.

तनीषा मुखर्जी की फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो तनीषा मुखर्जी का करियर कुछ खास नहीं रहा. वह कई सालों के इंडस्ट्री से दूर चल रही हैं. पिछली बार तनीषा लंबे समय बाद 'कोड नेम अब्दुल' में नजर आई थीं. तनीषा कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिसमें 'नील एंड निक्की', 'सरकार', 'टैंगो चार्ली', 'वन टू थ्री' और 'सरकार राज' शामिल हैं. इससे अलावा वह रिएलिटी शो 'बिग बॉस' के कई सीजन का हिस्सा भी रह चुकी हैं.

बॉयफ्रेंड संग रोमांटिक डिनर डेट पर गईं ईशा गुप्ता, सिंपल लुक देख चौंक गए फैंस!

बॉलीवुड की सुपरबोल्ड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं. नए साल का सेलिब्रेशन एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड मैनुअल कैंपोस ग्वालर के साथ किया. वहीं अब एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड संग डिनर डेट की तस्वीर शेयर की है जिसमें दोनों एक साथ कापी अच्छे लग रहे हैं.

डिनर डेट की एन्जॉय

ईशा गुप्ता ने डिनर डेट की तस्वीरों को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है. इन तस्वीरों में तस्वीर के पीछे का एबिएंस काफी अटैक्टिव लग रहा है. वहीं ईशा गुप्ता और मैनुअल कैंपोस ग्वालर एक साथ काफी खुश दिख रहे हैं.

टी-शर्ट में नजर आई एक्ट्रेस

इन तस्वीरों में ईशा गुप्ता पिंक और ब्लैक कॉम्बिनेशन की फुल स्लीव टी-शर्ट में नजर आ रही है. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने लाइट मेकअप के साथ पोनी की हुई है. खास बात है कि तस्वीरों में एक्ट्रेस का सिंपल लुक उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. वहीं उनके मैनुअल ग्रे कलर के कोट के अंदर नीले रंग की शर्ट पहने दिखे.

नए साल पर एक्ट्रेस के हॉट लुक ने ढाया था कहर

नए साल पर ईशा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की थी उसमें उनका बोल्ड अंदाज काफी कातिलाना दिखा. ईशा ब्राउन कलर की स्टेप वाली गाउन पहने हुए दिखाई दी. इस ड्रेस में ईशा की क्लीवेज साफ नजर आई. अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने हाई बन बनाया था. इसके साथ ही गले में पतला सा नेकलेस, लाइट मेकअप के साथ हाई हील्स कैरी की थी. जिसमें वो बला की खूबसूरत लगीं.

नए साल पर चर्चा में आए मिस यूनिवर्स के कपड़े, छोटी सी ड्रेस के लिए खर्च किए हजारों रुपये

मिस यूनिवर्स का खिताब जीत चुकीं हरनाज संधू ताज जीतने के बाद लगातार सुर्खियों में हैं. आए दिन वो कोई ना कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर चर्चा में आ जाती हैं. इस दौरान हरनाज ने न्यू ईयर की अपनी नई ड्रेस की तस्वीर शेयर कर दी. जिसमें वो अपने लुक्स की वजह से नहीं बल्कि ड्रेस की कीमत की वजह से ज्यादा लाइमलाइट में हैं.

पर्पल रंग की पहनी ड्रेस

हरनाज संधू ने सोशल मीडिया पर अपनी नई ड्रेस की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में हरनाज काफी ग्लैमरस लग रही हैं. हरनाज तस्वीर में पर्पल रंग के टॉप के साथ मिनी स्कर्ट पहने हुई हैं. हरनाज ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हाई हील्स, लाइट मेकअप और ओपन हेयर किया हुआ है.

छोटी ड्रेस के लिए खर्च किए हजारों रुपये

हरनाज संधू के इस आउटफिट को डिजाइनर पंकज और निधि ने तैयार किया है. जिसकी कीमत जानकर आप ये कहेंगे इतने में तो आप अपने कई काम कर लेंगे. पंकज और निधि की वेबसाइट पर इसकी कीमत 35 हजार रुपये है.

खूबसूरत कैप्शन के साथ शेयर की तस्वीरें

इन तस्वीरों को हरनाज ने खूबसूरत कैप्शन के साथ अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. हरनाज ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'साल 2022 में कदम रख रहे हैं.. चलो जर्नी शुरू करते हैं.'

पिंक कोट पहने तस्वीरें हुई थी वायरल

कुछ दिन पहले हरनाज ने पिंक कोट पहने तस्वीर शेयर की थी. इस फोटोशूट में हरनाज सिर पर मिस यूनिवर्स का क्राउन पहने हुई नजर आई थीं. इस तस्वीर में साफ दिखा कि मिस यूनिवर्स ने कोट के अंदर ना तो ब्रा पहनी और ना ही टॉप. जिसकी वजह से मिस यूनिवर्स की तस्वीर काफी सुर्खियों में रही.

इस सवाल का जवाब देकर हरनाज ने जीता दिल

मिस यूनिवर्स 2021 में सभी टॉप तीन प्रतियोगियों से सवाल पूछा गया था कि आप दबाव का सामना कर रहीं महिलाओं को क्या सलाह देंगी? इसका जवाब देते हुए हरनाज ने कहा था- आपको यह मानना होगा कि आप अद्वितीय हैं और यही आपको खूबसूरत बनाती है.

बाहर आएं, अपने लिए बोलना सीखें क्योंकि आप अपने जीवन के नेता हैं.

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

सुनील गावस्कर ने बताया, जो खिलाड़ी टेस्ट में करता है ये काम वो बनाता है बड़े स्कोर

एजेंसी, पहले टेस्ट में हमने क्या शानदार शुरुआत देखी। एक ऐसी पिच पर जहां गेंद घरेलू मैदानों की तुलना में ज्यादा उछाल ले रही थी वहां केएल राहुल और मयंक अग्रवाल ने इस बात का अच्छा उदाहरण पेश किया कि किन गेंदों को खेलना चाहिए और किन्हें छोड़ना चाहिए। अगर राहुल के प्रदर्शन में निरंतरता नजर आ रही है तो वह आफ स्टंप की गेंदों को लेकर उनके जजमेंट की वजह से है। यही वो विभाग था जिसकी वजह से वह पिछले कुछ साल से जल्दी आउट हो रहे थे और रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। जब से इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने सही शाट चयन किया तब से उनके बल्ले से भी रन निकल रहे हैं। फिलहाल वह मुरली विजय की तरह नजर आ रहे हैं जो आफ स्टंप के आसपास की गेंदों को छोड़ने के सबसे माहिर खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में मैच के शुरुआती समय में जो खिलाड़ी कम गेंदें खेलता है उसके बड़ा स्कोर करने की उतनी ही अधिक संभावना होती है। वह खुद को ये समझने का वक्त देता है कि पिच किस तरह का व्यवहार कर रही है। इसके बाद पिच की स्विंग और उछाल को देखते हुए ही वह अपनी बल्लेबाजी की दिशा तय करता है। टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के कई अलग-अलग तरीके होते हैं और पारी की शुरुआत व हर ब्रेक के बाद धैर्यपूर्ण तरीके से बल्लेबाजी करने से इसमें काफी मदद मिलती है। पिछले कुछ सत्र में दक्षिण अफ्रीकी टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ाती दिखी है। डीन एल्गर और तेंबा बावुमा को छोड़ दें तो बाकी बल्लेबाज ऐसे नहीं दिख रहे हैं जो भारतीय गेंदबाजों के सामने चुनौती बन सकें। मार्करैम के पास क्षमता है, लेकिन वह अक्सर उसे प्रदर्शन में नहीं बदल पाते, जबकि अन्य खिलाड़ी 30-40 रन या कुछ अर्धशतक बनाने के लिहाज से तो ठीक दिखते हैं, लेकिन ऐसी पारियां न तो आपको टेस्ट मैच जिता सकती हैं और न ही टेस्ट मैच बचा सकती हैं। यही वजह है कि अगर दक्षिण अफ्रीका को जीतना है तो उसे भारतीय टीम को 200 रनों के आसपास रोकना होगा। वांडरर्स की पिच पर घास नजर आ रही है जो दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाजों की तुलना में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए अधिक मुफीद रहेगी। दोनों टीमों का अंतर बल्लेबाजी होगी और इस विभाग में भारतीय टीम के पास दक्षिण अफ्रीका की तुलना में अधिक महारथ है। अगर मेहमान टीम वांडरर्स के मैदान पर सीरीज जीत लेती है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

जसप्रीत बुमराह उपकप्तान नियुक्त, पेट में तकलीफ के कारण अय्यर बाहर

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफदूसरे टेस्ट मैच के लिये उप कप्तान नियुक्त किया गया। चोटिल कप्तान विराट कोहली की गैरमौजूदगी में लोकेश राहुल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार पीठ के ऊपरी हिस्से में जकड़न के कारण नियमित कप्तान कोहली इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। इसके अलावा मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी पेट में तकलीफ के कारण मैच से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ''अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए उप कप्तान बनाया है। टीम इंडिया के बल्लेबाज

श्रेयस अय्यर भी पेट में तकलीफ के कारण दूसरे टेस्ट के लिए चयन की दौड़ से बाहर हो गए हैं।'' अय्यर ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत करते हुए पिछले साल के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में पदार्पण मुकाबले में शतक और अर्धशतक जड़ा था। बुमराह को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ19 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भी भारत का उप कप्तान नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई ने कहा, ''वह द वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेगा। टेस्ट मैच के दौरान बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका ध्यान रखेगी।'' पिछले दो साल से अधिक समय से शतक जड़ने में नाकाम रहे कोहली केपटाउन में मौजूदा श्रृंखला के अंतिम टेस्ट में टेस्ट मैचों का शतक पूरा नहीं कर पाएंगे। तैंतीस साल के कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलेंगे। राहुल उस श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुआई करेंगे क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारूप के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं। अगर सब कुछ सही रहता है तो कोहली भारतीय टीम के कार्यक्रम के अनुसार अब अपना 100वां टेस्ट बेंगलुरू में श्रीलंका के खिलाफ फरवरी में खेलेंगे। भारत ने पिछले हफ्ते श्रृंखला का पहला टेस्ट जीता था और अब टीम की नजरें दक्षिण अफ्रीका में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने पर टिकी हैं।

कोच क्रिस सिल्वरवुड कोविड-19 जांच में पॉजिटिव

एजेंसी, मेलबर्न । अपने परिवार के साथ यहां पृथकवास में रह रहे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया है। होबार्ट में खेले जाने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले उनके टीम के साथ जुड़ने की संभावना है। सिल्वरवुड बुधवार को सिडनी में आस्ट्रेलिया के खिलाफशुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले ही दल से बाहर हो गये थे। उनके परिवार के एक सदस्य के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उन्हें पृथकवास में रहना पड़ रहा था। 'स्काई स्पोर्ट्स' के मुताबिक इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान जारी कर बताया, ''सिल्वरवुड अपने परिवार के एक सदस्य के कोविड-19 पॉजिटिव होने के बाद 30 दिसंबर से मेलबर्न में पृथकवास पर हैं। वह आठ जनवरी तक पृथकवास में रहेंगे। ईसीबी ने कहा कि सिल्वरवुड में बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं और उनका पूर्ण टीकाकरण हो गया है। उन्होंने बताया, '' उम्मीद है कि होबार्ट में खेले जाने वाले पांचवें एशेज टेस्ट से पहले सिल्वरवुड की इंग्लैंड के दल में वापसी हो जायेगी। एशेज श्रृंखला के शुरुआती तीनों मुकाबलों में हार के बाद सिल्वरवुड को इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कुछ पूर्व दिग्गजों ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की है। इंग्लैंड ने पहले ही घोषणा कर दी है कि एडम होलियोक चौथे टेस्ट से पहले कोचिंग दल में

शामिल नहीं होंगे। उनके एक निकट संपर्क को कोरोना वायरस की जांच में पॉजिटिव पाया गया है। आगामी मैच में टीम के सहायक कोच ग्राहम थोर्प टीम का मार्गदर्शन करेंगे। टीम के एक नेट गेंदबाज को कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद रविवार को उनका अभ्यास सत्र भी रद्द कर दिया गया था।

अमला ने कहा- भारत के पास है दक्षिण अफ्रीका की तुलना में अधिक सामूहिक अनुभव

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला का कहना है कि भारतीय टीम का बेहतर सामूहिक अनुभव सेंचुरियन में श्रृंखला के पहले मैच में उसकी आसान जीत के महत्वपूर्ण कारणों में से एक रहा। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए पहले टेस्ट में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 113 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की। अमला ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की वेबसाइट से कहा, यह उचित परिणाम था। वे (भारत) पिछले दो वर्षों में एक मजबूत इकाई के रूप में उभरे हैं। उनके पास सामूहिक रूप से अधिक अनुभव है और जब आपके पास बचाव के लिये मजबूत स्कोर होता है तो यह हमेशा बड़ा अंतर पैदा करता है। दक्षिण अफ्रीका के पास केवल कप्तान डीन एल्गर, क्विंटन डिकॉक, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी ही अनुभवी खिलाड़ी हैं। अमला ने कहा भारत की पहली पारी में बड़ी बढ़त ने मैच के परिणाम में अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, सेंचुरियन में खेल आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए जब भारत ने टॉस जीता, पहले बल्लेबाजी की और 300 रन से अधिक रन बनाये तो तब पूरी जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर आ गयी थी। अमला ने कहा, पहली पारी में 130 रन से पिछड़ने से उन्हें झटका लगा और आखिर में इसने अंतर पैदा किया। अपने टेस्ट करियर में 124 मैचों में 28 शतकों के साथ 46.64

की औसत से 9282 रन बनाने वाले 38 वर्षीय अमला ने टेस्ट के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी करने के लिये भारतीय बल्लेबाजों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''पहले दिन पिच बल्लेबाजी के लिये सर्वश्रेष्ठ लग रही थी और श्रेय भारतीयों को जाता है। उन्होंने अनुशासित क्रिकेट खेली।

मुंबई के ऑलराउंडर शिवम दुबे और वीडियो विश्लेषक कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी, मुंबई। मुंबई के आलराउंडर शिवम दुबे और टीम के वीडियो विश्लेषक का कोविड-19 के लिये किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है। दुबे के स्थान पर साईराज पाटिल को मुंबई की 20 सदस्यीय रणजी टीम में शामिल किया गया है। मुंबई की टीम से जुड़े सूत्रों ने सोमवार को पीटीआई से कहा, ''हां, दो सदस्यों का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया है तथा दुबे की जगह साईराज पाटिल को टीम में शामिल किया गया है।'' दुबे ने अब तक भारत के लिये एक वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को महाराष्ट्र और दिल्ली के खिलाफहोने वाले मैचों के लिये मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल किया गया था। रणजी ट्राफी में 41 बार के चैंपियन मुंबई को एलीट ग्रुप सी में रखा गया है और वह अपने लीग मैच कोलकाता में खेलेगा।

विराट कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द के कारण दूसरे टेस्ट मैच से बाहर

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। भारतीय कप्तान विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेल शुरू होने से ठीक पहले पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए। उपकप्तान केएल राहुल, कोहली की जगह मैच में टीम का कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने टॉस के समय कहा कि कोहली के 11 जनवरी से शुरु होने वाले श्रृंखला के आखिरी टेस्ट के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है। टॉस के लिए मैदान में उतरे राहुल ने कहा, ''विराट कोहली के पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द है। वह फिजियो की निगरानी में हैं और उम्मीद है अगले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।'' बल्लेबाजी हरफनमौला हनुमा विहारी को उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। बल्लेबाजी में लय हासिल करने के लिए जूझ रहे कोहली अब केपटाउन में श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में अपना ऐतिहासिक 100 वां टेस्ट पूरा नहीं कर पाएंगे। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ19 जनवरी से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेल पाएंगे।

पाकिस्तानी स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

पाकिस्तान को कई ऐतिहासिक जीत दिला चुके हैं ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान के आलराउंडर और खेल के प्रत्येक प्रारूप में देश की कप्तानी करने वाले मोहम्मद हफीज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हफीज ने कहा कि उन्होंने लगभग दो दशक तक चले अपने करियर के दौरान उम्मीद से अधिक हासिल किया। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने 2018 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हफीज ने पाकिस्तान की तरफ से 392 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जिसमें 12,789 रन बनाये और 253 विकेट लिये। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी बयान में हफीज ने कहा, '' गर्व और संतुष्टि के साथ आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह रहा हूं। वास्तव में मैंने जितना शुरू में सोचा था उससे कहीं अधिक हासिल किया है और इसके लिए मैं अपने सभी साथी क्रिकेटरों, कप्तानों, सहयोगी स्टाफ और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर मेरा परिवार का, जिसने वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने का मेरा सपना पूरा करने के लिये कई बलिदान दिये।'' हफीज ने अपने देश की तरफ से 55 टेस्ट, 218 वनडे और 119 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने तीन वनडे विश्व कप और छह टी20 विश्व कप में भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच के जरिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उनका आखिरी मैच नवंबर में टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल था जिसमें पाकिस्तान को आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। अपने सफल करियर के दौरान उन्हें 32 बार मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया तथा सर्वाधिक बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार पाने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों में वह शाहिद अफरीदी (43), वसीम अकरम (39) और इंजमाम उल हक (33) के बाद चौथे स्थान पर हैं। इसके अलावा उन्हें नौ बार श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वह 2017 में आईसीसी चौंपियन्स ट्राफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। पीसीबी के अध्यक्ष रमीज राजा ने इस आलराउंडर का आभार व्यक्त किया। रमीज ने कहा, ''हफीज ऐसे क्रिकेटर हैं जो दिलोजान से खेलते हैं और जिन्होंने अपना करियर लंबा और सफल बनाने के लिये लगातार कड़ी मेहनत की।'' पीसीबी अध्यक्ष ने कहा, ''उन्होंने पूरे गौरव

के साथ पाकिस्तान क्रिकेट टीम की पोशाक पहनी जिसके लिये पीसीबी उनका आभार व्यक्त करता है। मैं उन्हें भविष्य के लिये शुभकामनाएं देता हूं और पाकिस्तान क्रिकेट में उनके शानदार योगदान के लिये उनका फिर से आभार व्यक्त करता हूं।'' पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी टूर्नामेंट के लिये लाहौर कलंदर्स से अनुबंध करने वाले हफीज विश्व भर की फ्रेंचाइजी क्रिकेट के लिये उपलब्ध रहेंगे।